संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 22
पृष्ठ 8
मंगलवार
08 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– कर्म का संबल ही ....

विचार– नवरात्रि में मां दुर्गा को.....

खेल– मयंक और नीतीश ने कहा....

देवी-देवताओं, महापुरुषों का अपमान अस्वीकार्य, दोषियों को मिलेगी सजाः योगी आदित्यनाथ

● मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग और पीआरवी 112 की पेट्रोलिंग तेज की जाए

लखनऊ। अक्टूबर और नवंबर का महीना तीज–त्योहारों से भरा रहेगा। इसको लेकर आमजन में उत्साह का माहौल है तो पुलिस के आलाधिकारी शांति व्यवस्था बनाये रखने को लेकर चिंतित हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी लॉ एंड आर्डर को लेकर गंभीर नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि किसी भी जाति, मत–मजहब अथवा संप्रदाय से जुड़े हुए ईष्ट देवी–देवता, महापुरुषों अथवा साधु–संतों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापुरुषों के प्रति प्रत्येक नागरिक के मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए, लेकिन इसके लिए बाध्य नहीं किया सकता और जबरन किसी पर थोपा भी नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा, महापुरुषों, देवी–देवता, संप्रदाय आदि की आस्था के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करेगा, तो उसे कानून के दायरे में लाकर कठोरता पूर्वक सजा दिलवाई जाएगी, लेकिन सभी मत, मजहब, सम्प्रदाय के लोगों को एक–दूसरे का सम्मान करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध के नाम पर अराजकता, तोड़–फोड़ अथवा आगजनी स्वीकार नहीं है, जो कोई ऐसा दुस्साहस करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास, शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो, यह प्रत्येक जनपद–प्रत्येक थाना को सुनिश्चित करना होगा। माहौल खराब करने वालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करें। योगी ने कहा कानून के खिलाफ काम करने वालों के साथ सख्ती से निपटें। महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग और पीआरवी 112 की पेट्रोलिंग तेज की जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं–बेटियों की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए, इसके लिए सभी विभाग मिलकर काम करें। वहीं सीएम ने त्योहारों के दृष्टिगत सोमवार को मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिव गृह, एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि हर मत, संप्रदाय की आस्था का सम्मान होना चाहिए।

रतन टाटा की तबीयत बिगड़ी, मुंबई में अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को सोमवार तड़के ब्रीच कैंडी अस्पताल ले जाया गया। उद्योगपति को एक परोपकारी व्यक्ति के रूप में भी जाना जाता

है, उन्हें नियमित चिकित्सा जांच के लिए ले जाया गया। हालाँकि, सभी अफवाहों को खारिज करते हुए, रतन टाटा ने भी एक्स को संबोधित किया और कहा कि मैं अपने स्वास्थ्य के संबंध में चल रही हालिया अफवाहों से अवगत हूं और सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये दावे निराधार हैं। मैं वर्तमान में अपनी उम्र और संबंधित चिकित्सीय स्थितियों के कारण चिकित्सा जांच से गुजर रहा हूं। रतन टाटा ने आगे कहा कि चिंता का कोई कारण नहीं है।

भारत ने सदैव फर्स्ट रिसपॉन्डर की भूमिका निभाई

● मुइज्जू के सामने पीएम मोदी ने गिनवा दिए मालदीव को किए सारे एहसान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। हमारी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। हमने रक्षा और सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। एकथा हार्बर प्रोजेक्ट पर काम तेजी से चल रहा है। इंडियन ओसियन रीजन में स्थिरता और समृद्धि के लिए हम मिलकर काम करेंगे। कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव में फाउंडिंग मेंबर के रूप में जुड़ने के लिए मालदीव का स्वागत है। भारत ने सदैव मालदीव के लिए फर्स्ट रिसपॉन्डर की भूमिका निभाई है। चाहे मालदीव के लोगों के लिए जरूरी वस्तुएँ की जरूरत पूरा करना हो, प्राकृतिक आपदा के समय पीने का पानी उपलब्ध कराना हो, कोविड के समय वैक्सीन देने की बात हो, भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी होने के दायित्व को निभाया है। हमने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का निर्णय लिया है। हम स्थानीय मुद्रा में व्यापार निपटाने पर भी काम करेंगे। इसके अतिरिक्त, हमने डिजिटल कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित किया है। हम सब मिलकर एक उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए काम करेंगे।

नई तकनीकों पर राजनाथ सिंह ने दिया जोर, बोले- आज हम युद्ध और इसकी संभावनाओं के बीच जी रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को 'डिफकनेक्ट 4.0' के आयोजन का उद्घाटण किया। इसमें सशस्त्र बल, रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां, नवोन्मेषक और नीति निर्माता स्वदेशी नवाचार को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर आएंगे। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं, जहां हम दुनिया को

वैश्विक गाँव कहकर संबोधित करते हैं। जहां हमें यह लगता है कि लोगों के बीच की दूरियां अब कम हुई हैं। कहने को तो हम सूचान प्रौद्योगिकी के युग में रह रहे हैं, जहां हजार किलोमीटर दूर बैठे किसी व्यक्ति की सूचना हमारे पास सेकंड में पहुंच जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हम विभिन्न प्रकार के युद्धों और युद्धों की संभावनाओं के बीच जी रहे हैं। इन युद्धों में लगातार नई तकनीकों को शामिल किया जा रहा है। इनमें न केवल पारंपरिक हथियारों और गोला–बारूद का उपयोग किया जा रहा है, बल्कि कई प्रकार के दोहरे उपयोग, या यहां तक कि पूरी तरह से नागरिक वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जा रहा है। उन्हें हथियार बनाया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव से पहले क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों की मरम्मत की जाएगी : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार सड़क मरम्मत समेत विभिन्न कार्यों को फिर से शुरू करेगी, जिन्हें आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के जेल में रहने के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित तौर पर बाधित किया था। आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी सरकार अगले साल की

शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने 89 क्षतिग्रस्त पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) सड़कों की पहचान की है, जिनकी मरम्मत की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए 74 टेंडर जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप नेताओं ने कई निरीक्षणों के दौरान कुल 6,671 गड्ढों की पहचान की है और इनमें से 3,454 को पहले ही भरा जा चुका है। संवाददाता सम्मेलन को केजरीवाल ने भी संबोधित किया। केजरीवाल ने कहा, जब मैं जेल में था, तो इन लोगों (भाजपा) ने दिल्ली सरकार के कई काम रोक दिए थे। मेरे लौटने के बाद, मैंने और आतिशी ने सड़कों का निरीक्षण किया और पाया कि वे अच्छी स्थिति में नहीं थीं।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले बीजेपी को लगा झटका

हर्षवर्द्धन पाटिल शरद पवार की पार्टी में शामिल हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले, राज्य भाजपा इकाई को एक बड़ा झटका लगा जब पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता हर्षवर्द्धन पाटिल आज (7 अक्टूबर) शरद पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट में शामिल हो गए। पार्टी प्रमुख शरद पवार ने उनका स्वागत किया, क्योंकि शरद ने राकांपा (सपा) के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ ली। गौरतलब है कि भाजपा के एक प्रमुख नेता पाटिल ने सबसे पहले इंदापुर विधानसभा सीट पर पार्टी के साथ मतभेद के बाद राकांपा (सपा) में प्रवेश की पुष्टि की थी, जो वर्तमान में अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को आवंटित की गई है। इससे पहले, शरद पवार खेमे में शामिल होने के बारे में मीडिया को अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए पाटिल ने कहा कि उनके समर्थक चाहते

हैं कि वह विधानसभा चुनाव लड़ें। उन्होंने मुझसे कहा कि चूंकि मेरे समर्थक चाहते हैं कि मैं इंदापुर से चुनाव लडूं, इसलिए मुझे फैसला करना चाहिए। मैंने उनसे बात की और फिर पार्टी में शामिल होने के फैसले पर पहुंचा। गौरतलब है कि ऐसी उम्मीद है कि पाटिल राकांपा (सपा) के टिकट पर अपने गृह क्षेत्र इंदापुर से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और वर्तमान विधायक दत्तात्रेय भरणे से होगा। पाटिल इंदापुर निर्वाचन क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी पर कड़ा रुख नहीं अपनाने के कारण भाजपा से नाखुश थे, उन्होंने पहले 1995, 1999 और 2004 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सीट जीती थी। बाद में 2009 में वह कांग्रेस में शामिल हो गए और फिर से सीट से जीत हासिल की। हालांकि 2014 के चुनावों में छाप छोड़ने में असफल रहे। 2019 में वह भाजपा में शामिल हो गए; हालाँकि, फिर से राकांपा उम्मीदवार भरणे से हार गए।

बीरभूम में कोयला खदान में विस्फोट, छह लोगों की मौत

बीरभूम,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में सोमवार को एक कोयला खदान विस्फोट में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हालांकि, अब तक तीन शव बरामद किए जा चुके हैं। बोलपुर के एएसपी राणा मुखर्जी ने कहा कि खनन क्षेत्र में विस्फोट के बाद हम यहां पहुंचे तो हमें 6 शव मिले, तीन लोग घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है और पश्चिम बंगाल सरकार ने परिवारों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी मुआवजा भी देगी और फोरेंसिक टीम इस विस्फोट के पीछे की वजह की जांच करेगी। डब्ल्यूबीपीडीसीएल के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ जब गंगारामचक और गंगारामचक–भदुलिया कोयला खदानों में विस्फोट करने के लिए डेटोनेटर ले जाए जा रहे थे। घटनास्थल का दौरा करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं स्थानीय विधायक अनूप साहा ने तब कहा कि कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है और तीन अन्य घायल हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू का राष्ट्रपति भवन में हुआ औपचारिक स्वागत

नयी दिल्ली, नई दिल्ली। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ता से पहले सोमवार को राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। मालदीव के राष्ट्रपति एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की पांच

दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। वह रविवार अपराह्न दिल्ली पहुंचे। इस साल की शुरुआत में पदभार संभालने के बाद से यह उनकी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा है। वह जून में श्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ एक ऐतिहासिक राजकीय यात्रा शुरू हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और श्री मोदी दोनों ही राष्ट्रपति भवन में श्री मुइज्जू का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। मालदीव के राष्ट्रपति बाद में महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने राजघाट गए।

हेमा ने दुनिया में भारत का मान बढ़ायाः ओम बिरला

मथुरा,एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सांसद और सिने तारिका हेमामालिनी ने अपनी अनूठी नृत्य शैली के जरिये दुनिया में भारतीय लोकसंस्कृति को नया आयाम दिया है। पांचजन्य आडिटोरियम में हेमामालिनी द्वारा प्रस्तुत किया। मां दुर्गा जहां अपने भक्तों को संरक्षण देती है वही दुष्टों का वे संहार करती हैं तथा वे अभिमान और अत्याचार को भी बर्दास्त नही करतीं।" उन्होने कहा "लगातार तीसरी बार बनी मथुरा की सांसद हेमामालिनी ने संसद

दुर्गा नृत्य नाटिका के जीवंत प्रस्तुतीकरण से प्रभावित होकर ओम बिरला ने कहा "भरतनाट्यम से प्रारंभ कर हेमा ने सिने जगत में अपनी अनूठी प्रस्तुति देकर भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। हेममामालिनी ने आज अपनी नृत्य नाटिका में शिव पार्वती और दुर्गा के विभिन्न जनकल्याणकारी स्वरूपों को के माध्यम से मथुरा की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाया। वे यहां के विकास, यहां की संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए और यहां के पर्यावरण को बचाने के लिए संसद के अंदर और संसद के बाहर प्रयत्नशील रहती हैं। उन्होने वृन्दावन के बंदरों द्वारा चश्मा छीनने तक की घटना का भी जिक्र संसद में किया है।"

नक्सल प्रभावित राज्यों को छत्तीसगढ़ के सफल ऑपरेशन की रणनीति अपनानी चाहिए : शाह

रायपुर/नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को देश के नक्सल प्रभावित राज्यों को छत्तीसगढ़ में हाल में हुए सफल ऑपरेशन की रणनीति अपनाने की अपील की। श्री शाह ने देश के नक्सल प्रभावित राज्यों में जारी नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों पर नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक अहम बैठक में यह बात कही।उन्होंने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी छत्तीसगढ़ की खुफिया तकनीकी और आपसी समन्वय के आधार पर अपने अपने राज्यों में ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरा समर्थन देगी। इस बैठक की अध्यक्षता श्री शाह ने की, जिसमें

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक का केंद्र बिंदु छत्तीसगढ़ का हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ नक्सल विरोधी ऑपरेशन था, जिसमें राज्य की पुलिस ने 31 नक्सलियों को ढेर किया। इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ पुलिस की कुशल रणनीति और राज्य सरकार की योजनाओं की सफलता पर विशेष चर्चा की गई। श्री अमित शाह ने इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय और उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बलों ने लगभग 194 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराए हैं। वहीं 801 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 742 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। उन्होंने कहा आज भी जो युवा नक्सलवाद में लिप्त है उनसे आग्रह है कि हथियार छोड़ कर मुख्य धारा से जुड़े। सभी राज्यों ने आपके पुनर्वास के लिए बेहतर योजनाएं बनाई हैं उसका फायदा लीजिए। श्री शाह ने छत्तीसगढ़ में हुए सफल ऑपरेशन की तारीफ करते हुए अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी छत्तीसगढ़ की खुफिया तकनीकी और आपसी समन्वय के आधार पर अपने अपने राज्यों में ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरा समर्थन देगी। श्री साय ने बैठक में नक्सल ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने महीनों की मेहनत और प्लानिंग के बाद इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। ऑपरेशन में करीब 1000 जवान शामिल थे, जिन्होंने 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित गवाड़ी पहाड़ को घेरकर 31 नक्सलियों को ढेर किया।

महाकुंभ में शाही स्नान का ध्वजवाहक बनेगा जूना अखाड़ा, सबसे आगे करेगा स्नान

प्रयागराज। गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर 13 जनवरी 2025 से आरंभ होने जा रहे महाकुंभ में शाही स्नान की परंपरा का ध्वजवाहक इस बार जूना अखाड़ा होगा। रविवार को परेड मैदान में सीएम योगी आदित्यनाथ की बैठक से पहले अखाड़ों में सर्व सम्मति से यह तय किया। 12 वर्ष बाद लगने वाले महाकुंभ में इस बार निरंजनी को सबसे आगे चलने का मौका दिया जाना था, लेकिन विश्व के सबसे बड़े संन्यासी परंपरा वाले पंच दशनाम जूना अखाड़े को सबसे आगे स्नान करने की अनुमति प्रदान की गई। सीएम के साथ संवाद से पहले शाही स्नान की परंपरा में बदलाव का निर्णय लिया गया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़े के संन्यासी संगम पर शाही

के सचिव महंत रवींद्र पुरी ने शाही स्नान की अगुवाई जूना अखाड़े को सौंपने का एलान किया। परंपरा के अनुसार इस बार पड़ने वाले तीन शाही स्नानों में सबसे पहले देवता–निशान, अस्त्र–शस्त्र, सुसज्जित रथों, बग्घियों और अन्य तामझाम के साथ जूना अखाड़ा चलेगा। जूना अखाड़े के पीछे निरंजनी अखाड़ा और उसके बाद आनंद अखाड़े के संत शाही स्नान के लिए निकलेंगे। उनके साथ अटल अखाड़े के संत चलेंगे। इसी तरह सबसे अंत में उदासीन परंपरा के संतों को शाही स्नान के लिए चलने का क्रम निर्दारित किया गया है। इनमें सबसे आगे कौन सी उदासीन अनी परंपरा के संत चलेंगे, इसका निर्धारण उन पर ही छोड़ दिया गया है। अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि ने बताया कि इस बार सर्व सम्मति से जूना अखाड़े को शाही स्नान की परंपरा का ध्वज वाहक बनाया गया है। इसकी भव्यता के लिए अब से ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, ताकि विश्व समुदाय के लिए संगम स्नान की परंपरहा अनुकरणीय और अविस्मरणीय बनाई जा सके। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी(मनसा देवी ट्रस्ट) ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें सभी परंपरा के सतों को सनातन की रक्षा के लिए एकजुट करने और राष्ट्रव्यापी वातावरण बनाने के लिए कहा है। इसके लिए वह लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस बार के महाकुंभ में इसके कई उदाहरण प्रस्तुत किए जाएंगे।इस बार दलित और ओबीसी संतों को भी प्रमुख पदों पर आसीन कराया जाएगा। ताकि संत समाज में आध्यात्मिक पदों पर भी समरसता का वातावरण बनाया जा सके। महाकुंभ की तैयारी बैठक में आनंद अखाड़े के स्वामी शंकरानंद सचिव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आला अफसरों की मौजूदगी में सजग रहने की सीख दी। स्वामी शंकरानंद ने सीएम को कहा कि वह इस महाकुंभ की तैयारी को लेकर अफसरों के भरोसे कतई न रहें। अफसर उन्हें ऐन वक्त पर गच्चा दे सकते हैं और सरकार की बनी–बनाई छवि पर असर पड़ सकता है। इसलिए सीएम को चाहिए कि वह खुद महाकुंभ की तैयारियों को अपने स्तर से देखें और परखते रहें,ताकि किसी स्तर पर चूक न होने पाए। महाकुंभ में गुलामी के प्रतीक शब्दों को बदलने पर सीएम सहमत महाकुंभ में शाही स्नान और पेशवाई जैसी परंपरा के साथ मुगलकालीन गुलामी के शब्दों को बदलने के लिए अखाड़ा परिषद के संतों ने सीएम के सामने सुझाव रखा। उनका कहना था कि हमारी सनातन संस्कृति में इस तरह के गुलामी के प्रतीक उर्दू के शब्दों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने इस पर जोर दिया। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ में गुलामी के प्रतीक शब्द हटाए जाएंगे। इस पर आने वाली बैठक में निर्णय लिए जाने के संकेत दिए गए।

सीएम की बैठक में अखाड़ा परिषद के दोनों गुट भिड़े, हाथापाई की आई नौबत

प्रयागराज। महाकुंभ की तैयारी को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुई बैठक में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के दोनों धड़े आपस में भिड़ गए। सीएम के सामने ही परिषद के पूर्व अध्यक्षों महंत नरेंद्र गिरि और महंत ज्ञानदास पर भ्रष्टाचार और लूट–खसोट के आरोप लगाए जाने लगे। इससे माहौल इस कदर गरमाया कि नोकझोंक के बाद एक–दूसरे को देख लेने की धमकी दी जाने लगी। मारपीट की नौबत आने पर वहां मौजूद अन्य बड़े संतों ने बीच–बचाव कर किसी तरह माहौल शांत कराया। परेड मैदान में सीएम योगी के साथ संवाद शुरू होने के बाद अखाड़ा परिषद के एक धड़े के महामंत्री और पंच निर्मोही अखाड़े के सचिव महंत राजेंद्र दास के तल्ख अंदाज ने आग में घी का काम किया। महंत राजेंद्र दास ने सीएम के सामने भूमि सुविधाओं की बात करने से पहले अखाड़ों में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा दिया। उनका कहना था कि इससे पहले अखाड़ा परिषद के जो भी अध्यक्ष रहे वह लूट–खसोट और भ्रष्टाचार में ही लिप्त रहे। उन्होंने सनातन संत परंपरा को आगे बढ़ाने के बजाय सिर्फ निजी स्वार्थ की सिद्धि की। उन्होंने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत नरेंद्र गिरि और महंत ज्ञानदास के कार्यकाल में अखाड़ों से हुई वसूली और धन की बंदरबांट का मुद्दा उठाया तो वहां मौजूद अखाड़ा परिषद के मौजूदा अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी (अध्यक्ष मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट) तमतमाकर खड़े हो गए। इस दौरान उनके बगल में मौजूद परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि ने उनका हाथ पकड़कर बैठा दिया और संयम बरतने की सलाह दी। इसके बाद जब सीएम का संबोधन पूरा हुआ और वह सभागार से बाहर निकलने लगे, उसी समय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महंत राजेंद्र दास और उनके गुट के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी (महानिर्वाणी) के पास पहुंच गए। उनका कहना था कि किसने कितनी धनराशि महंत नरेंद्र गिरि और महंत ज्ञानदास को दी है, हिम्मत हो तो बताओ। वह धनराशि पाई–पाई चुकता कर दी जाएगी। परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि सीएम की बैठक में प्रदेश भर के अफसरों की मौजूदगी में अखाड़े के शीर्ष और ब्रह्मलीन पदाधिकारियों पर इस तरह के मनगढ़ंत आरोप लगाकर संत समाज की छवि धूमिल करने वालों को सबक सिखाया जाएगा। इस दौरान महंत यमुनापुरी और अन्य संत भी शोर–शराबे का हिस्सा बने रहे। अंत में महंत हरि गिरि और महंत प्रेम गिरि ने समझा बुझाकर किसी तरह दोनों गुटों के संतों को शांत कराया। हालांकि, बैठक के दौरान इस तरह की तल्खी और आरोप–प्रत्यारोप को लेकर सीएम ने भी बाद में नसीहत दी। उनका कहना था कि संतों को सोच समझ कर बोलना चाहिए, ताकि सनातन की गरिमा बनी रहे।

छात्रवृत्ति के लिए 20 अक्तूबर तक करें आवेदन

प्रयागराज। वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी अल्प संख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर छात्रवृत्ति के लिए 20 अक्तूबर तक आवेदन कर सकते हैं। कक्षा नौ व 10 व 11 व 12 के छात्र–छात्राओं को ऑनलाइन आवेदन इस तारीख तक करना है। ऑनलाइन आवेदन के लिए आवेदन पत्र छात्रवृत्ति की वेबसाइट`बीवसंतीपच.नच.हवअ.पद पर भर कर हार्ड कॉपी अपने शिक्षण संस्था में जमा कर सकते हैं। यदि शासन की ओर से निर्धारित समय सीमा के अंदर पात्र छात्र–छात्राओं की ओर से आवेदन नहीं जमा किया जाएगा तो पात्रों को छात्रवृत्ति या शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ नहीं मिलेगी।

पुलिस ने छात्रा का पर्स सुरक्षित लौटाया

प्रयागराज। जार्जटाउन थाने की पुलिस ने रविवार को एक छात्रा के गुम हुए पर्स को सुरक्षित लौटाया। पर्स में 14 हजार 770 रुपये थे। पुलिस के अनुसार सारंगदास मंदिर परेड ग्राउंड निवासी छात्रा कविता यादव ने सूचना दी कि सोहबतियाबाग जाते समय उसका पर्स कहीं गिर गया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से पर्स को बरामद कर लौटाया।

ट्रैक की सुरक्षा के लिए रेलवे और प्रदेश पुलिस में समन्वय हो स्थापित

प्रयागराज। आए दिन रेलवे ट्रैक पर मिल रही ईंट, सरिया व अन्य सामग्री को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंभीर हैं। यात्री सुरक्षा को लेकर उन्होंने उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी को चौकसी बढ़ाने व रेलवे व उत्तर प्रदेश पुलिस के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए कहा। प्रयागराज में रेलवे ट्रैक पर पेट्रोमैक्स, फिर ईंट, कानपुर में ट्रैक पर सिलेंडर, अग्निशमन यंत्र मिल चुका है। इससे रेलवे की सुरक्षा पर बड़ा सवाल उठ रहा है। रविवार को जब मुख्यमंत्री ने आईट्रिपलसी में समीक्षा बैठक शुरू की तो एनसीआर के जीएम भी मौजूद रहे। सीएम ने उनसे रेलवे की तैयारियों का ब्योरा लिया और सुरक्षा के लिए व्यापक बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। जीएम ने बताया कि महाकुंभ के मौके पर इस बार 600 से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी है। सीएम ने विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। सीएम ने रेल ट्रैक पर बीते कुछ दिनों से तमाम तरह की वस्तुएं मिलने के मामले में कहा कि रेल ट्रैक की सुरक्षा का दायरा बढ़ाया जाएगा। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि सुरक्षा के लिए नए जीआरपी थानों की आवश्यकता है। चौकसी बढ़ाने के लिए रेलवे–यूपी पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो।

सभी 75 जिलों में हो सकती है पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा 2024 इस बार प्रदेश के सभी 75 जिलों में करानी पड़ सकती है। शासनादेश के अनुसार पर्याप्त संख्या में परीक्षा केंद्र नहीं मिलने के कारण आयोग को विज्ञापन में बड़ा बदलाव करना पड़ सकता है। एक जनवरी 2024 को विज्ञापन में प्रयागराज समेत 51 जिलों में पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा कराने की व्यवस्था दी गई थी। हालांकि वर्तमान में जो स्थितियां बन रही है केवल 51 जिलों में परीक्षा केंद्रों की संख्या और कम हो जाएगी। आयोग को केंद्रों की जो सूची मिली है उसके आधार पर दो दिन में प्रारंभिक परीक्षा कराने पर विचार चल रहा है। दूसरी ओर प्रतियोगी छात्रों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। छात्रों का कहना है कि एक दिन से अधिक परीक्षा अवधि खिंचती है तो नॉर्मलाइजेशन करना पड़ेगा जो उनके हित में नहीं है। सरकार की गाइडलाइन के अनुसार सभी 75 जिले के राजकीय और सहायता प्राप्त माध्यमिक को परीक्षा केंद्र बनाने पर भी सिपाही भर्ती के लिए एक दिन में अधिकतम 4.80 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा ही कराई जा सकी थी। सिपाही भर्ती की परीक्षा शुचितापूर्वक संपन्न कराने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी तारीफ कर चुके हैं। पीसीएस प्री के लिए 576154 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। ऐसे में सभी 75 जिलों में प्रारंभिक परीक्षा कराई जाए तो भी दो दिन का समय लगना तय है।

यूपी विशेष होंगी अंग्रेजी, गणित और विज्ञान की किताबें

प्रयागराज। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पुस्तकों को उत्तर प्रदेश के संदर्भों में नए सिरे से लिखा जाएगा। अंग्रेजी की कक्षा तीन और छह की किताबों को कस्टमाइज करने की प्रक्रिया आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (ईएलटीआई) एलनगंज में रविवार से शुरू हो गई है। इसमें परिषदीय स्कूलों में कार्यरत अंग्रेजी विषय के जानकार शिक्षकों की मदद ली जा रही है। ईएलटीआई के प्राचार्य डॉ. स्कंद शुक्ल के अनुसार किताबों के कस्टमाइजेशन में विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, बाल मनोवैज्ञानिक, केंद्रीय विद्यालयों के विशेषज्ञों की भी सहायता ली जाएगी। वहीं कक्षा छह की गणित और विज्ञान की किताबों के पुर्नलेखन की प्रक्रिया राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान में दशहरे बाद शुरू होगी। पांच–पांच दिन की तीन कार्यशालाओं में किताबों को यूपी की खास आवश्यकता के अनुरूप लिखा जाएगा।

नवरात्र के चलते 'सकलैन मिया' के अनुयायियों को 'उर्स' मनाने से मना नहीं कर सकते

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन बरेली के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें उन्होंने 'सकलैन मियां' के अनुयायियों को आठ और नौ अक्तूबर को उर्स मनाने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित ने यह आदेश आस्तान–ए–आलिया सकलैनिया शराफतिया और अन्य की याचिका पर दिया। बरेली में हजरत शाह शराफत अली के पोते हजरत शाह मोहम्मद सकलैन मियां हुजूर की मृत्यु 20 अक्तूबर 2023 को हुई थी। उन्हें एक सूफी विद्वान माना जाता है। उनके बरेली जिले के आसपास के क्षेत्र में पर्याप्त अनुयायी हैं। सूफियों के बीच प्रचलित धार्मिक प्रथा के अनुसार उनका पहला उर्स आठ और नौ अक्तूबर 2024 को मनाया जाना है। हालांकि, सिटी

मजिस्ट्रेट बरेली ने उर्स मनाने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया। तर्क दिया गया था कि यदि उर्स मनाने की अनुमति दी जाती है तो बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे और एक नई प्रथा शुरू हो जाएगी। तीन अक्तूबर 2024 से नवरात्र उत्सव शुरू हो गए हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में कई दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किए गए हैं। विभिन्न स्थानों पर रामलीला का मंचन भी किया जा रहा है। यदि उर्स मनाने की अनुमति दी गई तो 'चादरों का जुलूस' तेज संगीत के साथ निकाला जाएगा। पिछले महीने आला हजरत दरगाह और शराफत मियां दरगाह के अनुयायियों के बीच जुलूस के लिए अपनाए जाने वाले मार्ग को लेकर टकराव हुआ था।

ऐसे में प्रशासन की ओर से ऐसी कोई भी अनुमति न देने के निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे नई धार्मिक प्रथाओं की स्थापना हो सकती है। न्यायालय ने कहा कि सिटी मजिस्ट्रेट, बरेली ने आवेदन को एक नई धार्मिक प्रथा स्थापित करने की मांग के रूप में पढ़ने में गलती की है। इसके अलावा न्यायालय ने यह भी कहा कि नवरात्र के दौरान उर्स का आयोजन हो रहा है, सिर्फ इस आधार पर सूफियों को धार्मिक अभ्यास का पालन करने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याची 'चादरों का जुलूस' सार्वजनिक सड़कों, रास्तों आदि पर तेज संगीत बजाते हुए नहीं निकाला जाएगा। इस आशय से वे सिटी मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना लिखित वचन दाखिल करने के लिए तैयार हैं। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया उचित विचार किए बिना आक्षेपित आदेश जल्दबाजी में पारित किया गया था, इसलिए इसे रद्द कर दिया गया है। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट को एक नया तर्कसंगत आदेश पारित करने का आदेश दिया।

खेत से बरामद चप्पलों पर पेंट के छींटे, हत्यारे पकड़ से दूर

प्रयागराज। सोरांव के एक गांव में दुर्गापूजा देखने निकली आठ वर्षीय बालिका के हत्यारों का तीसरे दिन भी सुराग नहीं मिला। घटनास्थल से जो दो जोड़ी चप्पलें बरामद हुई हैं उनमें से दो पर पेंट के छींटे मिले हैं। पुलिस इसके आधार पर भी घटना

में शामिल दरिंदों का पता लगाने में जुटी है। पता लगाया जा रहा है कि क्या कोई ऐसा व्यक्ति गायब है जो पेंटर है। इस बात की भी सुरागरशी की जा रही है कि क्या हाल ही में गांव के किसी घर में पेंटिंग का काम कराया गया है। दरअसल, घटना के तीन दिन बाद भी सही मायनों में पुलिस एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकी है। जबकि अफसरों की ओर से इस मामले के खुलासे के लिए एसओजी को भी लगाया गया है। मामले में जो पांच लोग उठाए गए थे, उनमें से दो को छोड़ दिया गया है। जबकि तीन अन्य से अभी पूछताछ जारी है। उधर, सुरागरशी में जुटीं पुलिस टीमें दर्जनों लोगों से बातचीत कर चुकी हैं। गांव के उन लोगों की भी सूची खंगाली जा रही है जो आपराधिक व नशेड़ी प्रवृत्ति के हैं। महिला अपराध की जघन्य वारदातों में शामिल थाना क्षेत्र व आसपास के क्षेत्र के अपराधियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। एसीपी सोरांव जंग बहादुर यादव का कहना है कि अलग–अलग टीमें जांच पड़ताल में लगी हैं। फिलहाल आरोपियों का पता नहीं लग सका है। पुलिस ऐसे लोगों का भी पता लगा रही है जो घटना वाली शाम यानी बृहस्पतिवार को दुर्गा पूजा पंडाल में मौजूद थे। दरअसल, बच्ची के घर से करीब 200 मीटर दूरी पर दुर्गा पूजा पंडाल सजाया गया है। इंजेक्शन मेडिकल स्टोर पर रखने के लिए जाने के दौरान बच्ची ने अपनी मां से कहा था कि वह दुर्गा पूजा देखते हुए घर लौटेगी। संभावना है कि इस दौरान ग्रामीणों ने बच्ची को किसी के साथ आते–जाते देखा हो। कलंदरपुर। उधर रविवार को बसपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष पंकज गौतम की अगुवाई में पीड़ित परिवार से मिले और न्याय का भरोसा दिलाया। पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों को सरकार से 50 लाख रुपये की मदद और अन्य सुविधा देने की मांग की। इस मौके पर मुख्य मंडल प्रभारी प्रयागराज मंडल राजू गौतम, मंडल प्रभारी प्रयागराज मंडल जगन्नाथ पाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रदेश के सभी जिलों में पीसीएस परीक्षा कराने की तैयारी, पेपरलीक के बाद आयोग सख्त

प्रयागराज। पुलिस भर्ती और समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 में पेपर लीक की घटना के बाद शासन ने केंद्र निर्धारण के नियम इतने सख्त कर दिए हैं कि केंद्रों की अनुपलब्धता के कारण उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग अब प्रदेश के हर जिले में परीक्षा के लिए केंद्र ढूंढ़ रहा है। निजी स्कूल–कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाए जाने पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में आयोग को पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल रहे हैं। आयोग के सामने एक ही दिन में परीक्षा का आयोजन करा पाना बड़ी चुनौती है। अगर आयोग प्रदेश के सभी 75 जिलों में केंद्रों की व्यवस्था कर लेता है तो भी एक दिन में परीक्षा करा पाना मुश्किल होगा। कांस्टेबल भर्ती के लिए एक दिन में तकरीबन 4.80 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा कराई गई थी। जबकि, पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए 576154 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2023 जहां प्रदेश के 51 जिलों के 1241 केंद्रों में आयोजित की गई थी और परीक्षा के लिए 565459 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। दोनों परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की संख्या में मामूली अंतर है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि अगर प्रदेश के सभी जिलों में सरकारी और एडेड स्कूल–कॉलेजों को भी केंद्र बनाया जाता है तो एक दिन में परीक्षा करा पाना मुश्किल होगा। 11 फरवरी 2024 को आरओध्एआरओ प्रारंभिक–2023 प्रदेश के 58 जिलों के 2387 केंद्रों में आयोजित की गई थी। पुनर्परीक्षा 22 दिसंबर 2024 को प्रस्तावित है और इस परीक्षा के लिए 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। आयोग के सूत्रों का कहना है कि आरओध्एआरओ परीक्षा के लिए भी प्रदेश के सभी जिलों में केंद्र बनाए जाने की योजना है। हालांकि, इसके बाद भी परीक्षा एक दिन में नहीं हो सकेगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से रविवार को लखनऊ में यूनानी चिकित्साधिकारी स्क्रीनिंग परीक्षा–2023 का आयोजन किया गया। परीक्षा के लिए कुल 2261 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 62.18 फीसदी परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा लखनऊ स्थित यूपीपीएससी के कैंप कार्यालय के चार केंद्र में सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक आयोजित की गई।

प्रयागराज में रैगिंग, बीकॉम छात्र को लाठी-हॉकी से पीटा

घायल स्टूडेंट बोला- ग्रुप बनाकर सीनियर पीटते और परेशान करते हैं, 15 पर एफआईआर

प्रयागराज। प्रयागराज के एक कॉलेज में छात्र से मारपीट और अपहरण की कोशिश का मामला सामने आया है। इसे रैगिंग से जोड़कर भी देखा जा रहा है। मारपीट में जख्मी हुए ने आरोप लगाया है कि सीनियर छात्र जूनियरों की रैगिंग करते हैं। ग्रुप बनाकर मारपीट करते हैं। मामले में 15 छात्रों पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुल्दाबाद का रहने वाला गौरव एक कॉलेज में बीकॉम का

छात्र है। उसका आरोप है कि सीनियर छात्र साहिल, अभिषेक तिवारी, कृष कुमार समेत 15 छात्र एक ग्रुप बनाए हैं जो मनमानी करते हैं। जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग करते हैं। कोई विरोध करता है तो उससे मारपीट की जाती है। कॉलेज मैनेजमेंट को सूचना है, लेकिन कोई कुछ नहीं करता।

छात्र का आरोप है कि तीन अक्तूबर को उसे पीटा गया। गौरव का कहना है कि साहिल के कहने पर दूसरे छात्रों ने उसे खींच लिया और जातिसूचक शब्द इस्तेमाल किए। जान से मारने की धमकी दी। कहा– कॉलेज प्रबंधन से शिकायत किया तो पढ़ने नहीं दिया जाएगा। तहरीर में कहा है कि गौरव ने जब अपने बड़े भाई अभिषेक को बताया तो कॉलेज पहुंचे। गौरव का कहना है कि कॉलेज गेट पर उसे लेने अभिषेक, अनुज, अमित और वरुण पहुंचे तो सीनियर छात्रों ने हमला कर दिया।

लाठी–डंडे और हॉकी से मारपीट की गई। मारपीट में गौरव जख्मी हो गया। मामले में 15 छात्रों पर केस दर्ज हुआ है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। छात्रों का बयान दर्ज करने के लिए कॉलेज मैनेजमेंट से कहा गया है।

रामभद्राचार्य के तीखे बोल के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज, अपमानजनक टिप्पणी का लगा था आरोप

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य के तीखे बोल के खिलाफ दाखिल याचिका को खारिज कर दी। हाल ही में उनका एक प्रवचन देते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। आरोप है कि इसमें उन्होंने कहा था कि 'मरे मुलायम कांशीराम, प्रेम से बोलो जय श्रीराम'। इसके आलावा सत्संग में एक जाति विशेष को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की अदालत ने प्रयागराज के बारा निवासी प्रकाश चंद्र की ओर से दाखिल याचिका पर अधिवक्ता बीएम सिंह और अपर महाधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी को सुनकर दिया है। इससे पहले याची ने रामभद्राचार्य के खिलाफ एससीध्एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर इलाहाबाद जिला अदालत का दरवाजा खटखटाया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने याची की 156 (3) दंड प्रक्रिया संहिता के तहत दाखिल अर्जी को पोषणीयता के आधार पर खारिज किया था।

'असम नेपाली साहित्य सभा , विश्वनाथ नगर शाखा के तत्वावधान में पुस्तक लोकार्पण समारोह'

'समारोह में चार पुस्तक तथा गीत एलबम का एक साथ लोकार्पण'

विश्वनाथ, सरू– साहित्य, संस्कृति चर्चा के क्षेत्र में गुप्तकाशी नाम से प्रसिद्ध विश्वनाथ का अनोखा पहचान है। विभिन्न संस्था के सौजन्य में समय– समय पर नई नई ग्रंथ,गीत, एलबम आदि का लोकार्पण होते आ रहा है। इधर देश में शारदीय नवरात्र उत्सव के उत्साह के बीच में असम नेपाली साहित्य सभा, विश्वनाथ नगर शाखा के सौजन्य में आज फार्म मिशनरी संस्थान के प्रेक्षागृह में अपराह्न 2 बजे पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। अनेसास विश्वनाथ नगर शाखा के अध्यक्ष डॉ० भक्त प्रसाद गौतम की अध्यक्षता में आयोजित पुस्तक लोकार्पण समारोह की संचालन सचिव प्रेम विश्वकर्मा ने की। सर्वप्रथम विश्वनाथ नगर शाखा के मूलसचिव प्रेम विश्वकर्मा के संचालित सभा में नगर अध्यक्ष डॉ ० भक्त प्रसाद गौतम को पुस्तक विमोचन समारोह के गरिमामय सभाध्यक्ष के रूप में मंचासीन कराया गया। पुस्तक विमोचक के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार मित्र देव शर्मा, गीतकार तथा सेवा निवृत्त चिकित्सक डा. नारायण चन्द्र उपाध्याय, अनेसास विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष हेमकुमार गौतम, अनेसास केन्द्रीय समिति के कार्यकरि अध्यक्ष एवं विश्वनाथ महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ चिन्तामणि शर्मा थे। मुख्य अतिथि के रूप में फार्म मशिनरी के संचालक श्रीमती पी. कमलाबाई और विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार तथा लोक संस्कृति के गवेशक डॉ खेमराज नेपाल, वरिष्ठ साहित्यकार व अनुवादक हरिप्रसाद लुइटेल (उपाध्याय)आदि को मंचासीन कराके फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। इसके बाद सभा में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को भी फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया।अनेसास विश्वनाथ नगर शाखा के कार्यकर्ताओं द्वारा सुमधुर स्वागत

गीत प्रस्तुत किया गया। साथ ही अनेसास विश्वनाथ नगर शाखा के सदस्य श्रीमती शिला पाठक ने स्वागत भाषण दी। सर्वप्रथम क्रमशः प्रेम विश्वकर्मा के कविता संग्रह ष्अधुरो सपनों ष का विमोचन वरिष्ठ साहित्यकार मित्र देव शर्मा , बेददीप उपाध्याय गौतम के कविता संकलन ष्हृदय प्रवाहष का विमोचन सुचिकित्सक व संगीत साधक डा नारायण चंद्र उपाध्याय, त्याग बहादुर छेत्री के उपन्यास ष्माली बगैँचाकोष का विमोचन सेवानिवृत्ति अध्यापक हेम कुमार गौतम और ममता देवी के कहानी संकलन ष्समृद्ध समयष का विमोचन विश्वनाथ महाविद्यालय के प्राचार्य तथा असम नेपाली साहित्य सभा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ० चिंतामणि शर्मा ने किया। इसके बाद पुस्तक विमोचक वरिष्ठ साहित्यकार मित्र देव शर्मा,संगीत साधक डा नारायण चंद्र उपाध्याय,सेवानिवृत्ति अध्यापक हेम कुमार गौतम और डॉ० चिंतामणि शर्मा ने अपना वक्तव्य रखते हुए सर्वप्रथम सभी को शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएं दी। इसके बाद विश्वनाथ नगर शाखा के सक्रिय सदस्य वेददीप उपाध्याय के अपनी पहली कृति ष्हृदय प्रवाहष (कविता संग्रह), त्याग बहादुर छेत्री का पहली ष्माली बगैंचाकोष (उपन्यास), ममता देवी की पहली कृति ष्समृद्धि समयष (कहानी संकलन) एवं प्रेम विश्वकर्मा का तिसरी कृति ष्अधुरो सपनाष (कविता संग्रह) के रचना पर दो शब्द रखो ।तत्पश्चात वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० खेमराज ने इस भव्य पुस्तक लोकार्पण समारोह के लिए अनेसास विश्वनाथ नगर को साधुवाद दी। साथ हीउन्होंने पुस्तककर्ता को साधुवाद देते हुए पुस्तक पर समीक्षक व्याख्यान दीध। उसके बाद कलाकार पुष्प दाहाल का गीत एलबम का भी डा. खेमराज नेपाल के बाहुबली पर लोकार्पण किया गया ।साथ ही उपस्थित अतिथियों में अनेसास केन्द्रीय समिति के महासचिव मदन थापा आदि ने अपना सारगर्भित व्याख्यान दी ।इसी बीच संगीता विश्वकर्मा ने सुमधुर हिंदी गीत, दीपिका उपाध्याय ने सुमधुर भजन,और डॉ० नारायण चंद्र उपाध्याय ने गीत प्रस्तुति दी। सभा के अध्यक्ष डॉ० भक्त प्रसाद गौतम ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए सभी का आभार व्यक्त की।

नगर शाखा के सदस्य श्रीमती पूर्णिमा पोखेल ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ गरिमामय पुस्तक विमोचन समारोह संपन्न हुआ ।इस पावन मौके पर असम नेपाली साहित्य सभा विश्वनाथ जिला और नगर शाखा के पदाधिकारियों, सलाहकारों, कार्यकारी सदस्यों, आजीवन सदस्यों, मानद संरक्षक ,साहित्यिक गणमान्य महानुभाव और अखिल असम गोर्खा छात्र संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत की ई रिक्शा चालकों के साथ बैठक....

प्रयागराज। परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंर्तगत (02 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक) ई रिक्शा चालकों के साथ यातायात जागरूकता संबधी एक बैठक टैक्सी टैंपो यूनियन उपाध्यक्ष रघुनाथ द्विवेदी के उपस्थिति में की गई ,बैठक में पीटीओ रणवीर सिंह चौहान द्वार चालकों को बताया गया की वो अपना ई रिक्शा निर्धारित लेन में ही चलाएं और शहर के प्रमुख चौराहों से उचित दूरी पर ही खड़ी करके सवारी को उतारें चढ़ाएं जिससे चौराहे पर जाम की स्थिति न बनने पाए। पीटीओ श्री राम

सागर ने बताया की सभी चालक अपने रिक्शा में दाएं तरफ से सवारी को न उतारें बल्कि उस तरफ बंद करा दें।क्योंकि दाएं बाएं दोनो तरफ से उतरते चढ़ते समय दूसरे तरफ से आ रही गाड़ी से हादसे होने की संभावना रहती है। ट्रैफिक इंस्पेक्टर पवन कुमार पाण्डेय ने बताया की सभी चालक अपने अपने गाड़ी में एच एस आर पी नम्बर प्लेट जरूर लगवाएं, और सड़क पर लेन बनाकर ही चलने की आदत डालें नो पार्किंग में ना खड़ी करें अपने वाहन को फिट रखें ज्यादातर ई रिक्शा में लाइट नही जलती,ब्रेक नही लगता , दाए बाए बिना देखे मोड़ देना,पर गलत लेन में चलाने से सड़क हादसे हो रहें हैं कोई भी चालक अपने नाबालिग बच्चो से वाहन ना चलवाएं अन्यथा चालान कर सीज करने की कार्यवाही की जाएगी,अभी चालक अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवा लें यह सभी सुधार महाकुम्भ 2025 से पहले हो जाएं मेले में आए हुए श्रद्धालुओं से विनम्रता से बात करें। बैठक के अंत में उपाध्यक्ष रघुनाथ द्विवेदी ने परिवहन विभाग को भरोसा दिलाया कि कुम्भ मेला से पहले सभी चालकों में यातायात के नियमों के प्रति पालन करना सुनिश्वित करेंगे। बैठक में यूनियन के सदस्य बब्लू सहित 50 ई रिक्शा चालक सामिल हुए ,साथ ही साथ यातायात टीम से रजित कुमार,सतेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

शुद्ध परिवेश के लिए स्वच्छता जरूरी: मनीष

करछना। हमारे आस–पास शुद्ध परिवेश, पर्यावरण हेतु साफ सफाई बहुत जरूरी है। प्लास्टिक के कूड़े कचरे विशेष रूप से कई

मायने में और अधिक हानिकारक हैं।सभी बच्चों को चाहिए कि इसके लिए अपने घर,पास पड़ोस के लोगों को भी सजग करें,साथ साथ स्वयं स्वच्छता पर ध्यान दें। यह बातें रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में जूनियर एनसीसी की बालिकाओं द्वारा परिसर के आसपास प्लास्टिक कूरे कचरे को इकट्ठा करने हेतु प्रेरित करते हुए प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कही। इसके उपरांत बच्चों ने विद्यालय परिसर में साफ–सफाई करते हुए आस पास बिखरे कचरे को एकत्र कर नष्ट किया। बच्चों को स्वच्छता अभियान के प्रति प्रेरित करते हुए एनसीसी अधिकारी रमेश चंद्र तिवारी ने भी सभी कैडेट्स को पूरी जिम्मेदारी के साथ लोगों को जागरूक करने पर बल दिया ।इस दौरान शिक्षक एवं बच्चे मौजूद रहे।

गंगानाथ झा परिसर में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज सगंगानाथ झा परिसर में हिन्दी पखवाड़ा का समापन समारोह परिसर के मुख्य सभागार में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह की विशिष्टातिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री वीरेन्द्र पाठक एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव श्री अजय कुमार सिंह रहे। वरिष्ठ पत्रकार श्री वीरेन्द्र पाठक अपने उद्बोधन में हिन्दी को राजभाषा बनाये जाने पर गर्व करने की आवश्यकता के साथ ही साथ इसे वास्तविक एवं व्यवहारिक रूप से अपनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने हिन्दी भाषा के प्रयोग हेतु सभी को पूर्ण सचेत रहने की आवश्यकता पर बल देते हुए हिन्दी के प्रयोग से सम्बन्धित अपने विशेष अनुभव भी साझा किये। विशिष्टातिथि श्री अजय कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में शुद्ध हिन्दी बोलने के लिए हिन्दी के सतत् अध्ययन की आवश्यकता बताई। हिन्दी को जनमानस की भाषा बताते हुए उन्होंने हिन्दी के विभिन्न स्वरूपों से परिचित कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने हिन्दी को संस्कृत भाषा से उत्पन्न जनभाषा बताया । अपने सारगर्भित वक्तव्य में उन्होंने हिन्दी को सभी भारतीय भाषाओं से सामंजस्य रखने वाली भाषा बताया। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत सम्पन्न हुये विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं

स्मारक चिह्न भेंट किये गये। विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं उनके विजेताओं की सूची इस प्रकार है–निबन्ध प्रतियोगिता

प्रथम स्थान – राजेश कान्त तिवारी

द्वितीय स्थान – अभिषेक कुमार

तृतीय स्थान – राजीव कुमार

प्रोत्साहन पुरस्कार – द्वारिका प्रसाद कुशवाह

सागर रावत

नन्द कुमार

अनुराग शर्मा

आशुभाषण प्रतियोगिता

प्रथम स्थान – राजेश कान्त तिवारी

द्वितीय स्थान – अनुराग साहु

तृतीय स्थान – अञ्जनी कुमार पुण्डरीक

प्रोत्साहन पुरस्कार – द्वारिका प्रसाद कुशवाहा

कवितापाठ प्रतियोगिता प्रथम स्थान – राजेश कान्त तिवारी

द्वितीय स्थान – आशीष कुमार द्विवेदी

तृतीय स्थान – नन्द कुमार, विपिन कुमार द्विवेदी

प्रोत्साहन पुरस्कार– द्वारिका प्रसाद कुशवाह

– रमेश चन्द्र

अन्त्याक्षरीप्रतियोगिता

प्रथम स्थान

– राजेश कान्त तिवारी

द्वितीय स्थान – रमेश चन्द्र

तृतीय स्थान – आशीष कुमार द्विवेदी

प्रोत्साहन पुरस्कार– द्वारिका प्रसाद कुशवाहा

टिप्पणी लेखन प्रतियोगिता

प्रथम स्थान – द्वारिका प्रसाद कुशवाह

– विपिन कुमार द्विवेदी

द्वितीय स्थान – नन्द कुमार

– रमेश चन्द्र

तृतीय स्थान – आशीष कुमार द्विवेदी

प्रोत्साहन पुरस्कार– सागर रावत

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम की विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल और अहिन्दी भाषी क्षेत्र के आये हुए शैक्षिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में परिसरीय साहित्यशास्त्र विद्याशाखा के संयोजक प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डे 'मणि',धर्मशास्त्र विद्याशाखा के संयोजक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस', वेद विद्याशाखा के अध्यक्ष प्रो.मनोज कुमार मिश्र, शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो.देवदत्त सरोदे, पाण्डुलिपि एवं पुरालिपिविज्ञान विद्याशाखा की विभागाध्यक्षा प्रो.अपराजिता मिश्र , व्याकरणशास्त्र विद्या शाखा के प्राध्यापक डॉ.सुरेश पाण्डेय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के सह–संयोजक डॉ.मनीष जुगरान, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा की प्राध्यापिका डॉ. मोनाली दास , साहित्यशास्त्र विद्या शाखा के प्राध्यापक डॉ. धीरज कुमार मित्र, संगणक एवं प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण विभाग के प्राध्यापक श्री राजेशकान्त तिवारी, प्रोफेशनल सहायक डॉ.श्याम सुन्दर पाण्डेय,अनुभाग अधिकारी श्री संजय मिश्र ,विजय मिश्र,डॉ. विपिन द्विवेदी,आशीष द्विवेदी, सुश्री अश्विनी लड्के परिसरीय समस्त शोधच्छात्र तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.श्याम सुन्दर पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय एवं डॉ. शुभश्री दाश ने संयुक्त रूप से किया।

ट्रैफिक पुलिस की वजह से लखनऊ डीएम ने बीच सड़क पर मांगी माफी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक ऐसा मामला सामने आया है। जिसमें एक सीनियर अधिकारी को माफी मांगनी पड़ी है। जबकि उस सीनियर अधिकारी की कोई गलती ही नहीं थी। जिसने गलत कार्य किया था, उन्होंने तो पछतावा भी जाहिर नहीं किया, लेकिन अब गलत कार्यशैली वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। दरअसल, आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर और डॉ नूतन ठाकुर के मुताबिक अपनी गाड़ी से सोमवार को लगभग 11 बजे परिवर्तन चौक से लोअर कोर्ट की ओर आगे बढ़ रहे थे। आरोप है कि ठीक उसी समय डीएम लखनऊ की गाड़ी को गलत ढंग से पास देने के लिए वहां मौजूद ट्रैफिक सिपाही ने उनकी गाड़ी पर जोर–जोर से प्रहार किया। अमिताभ और नूतन ठाकुर ने इसका विरोध किया तो ट्रैफिक सिपाही ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

इप्सेफ ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, महंगाई भत्ते की किस्त जारी करने की उठाई मांग

लखनऊ, एजेंसी। इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। पत्र में कर्मचारियों को महंगाई से परेशान बताया गया है। इप्सेफ ने प्रधानमंत्री से अपील की है कि बढ़ती महंगाई पर रोक लगाई जाये, साथ ही एक जुलाई से देय महंगाई भत्ते की किस्तों का आदेश जारी करें। जिससे कर्मचारियों की समस्या कुछ हद तक कम हो सके। इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर कहा है कि देशभर में रोजाना बढ़ रही महंगाई से मध्यम श्रेणी का वर्ग अत्यधिक पीड़ित है, उसका परिवार 2 जून की रोटी व बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था नहीं कर पा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर चेतन शर्मा और अशोक मेहरोत्रा ने ऑल इंडिया शानी'ज ट्राफी की घोषणा की

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में इस साल लगातार क्रिकेट की धूम चल रही है। पहले आईपीएल और अब ईरानी ट्राफी के मुकाबलों के बाद लखनऊ में दो रणजी मुकाबले भी खेले जाएंगे। इसी क्रम में राजधानी अगले साल की शुरुआत में फिर क्रिकेट के रंग में रंगने वाली हैं। मौका होगा शानी'ज ट्रॉफी के लिए खेली जाने वाली आल इंडिया प्राइजमनी क्रिकेट प्रतियोगिता का जिसके मुकाबले अगले साल 14 फरवरी से 2 मार्च, 2025 तक खेले जाएंगे। इस बारे में आयोजित एक प्रेस वार्ता में आयोजन सचिव सुमित शुक्ला ने बताया कि इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को पांच लाख जबकि उपविजेता टीम को तीन लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जायेगी। अखिल भारतीय स्तर के इस टूर्नामेंट में एसबीआई, एनईआर रेलवे के साथ यूपी, दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे कई राज्यों की टीमों को खेलने के लिए आमंत्रण भेजा गया है ।उन्होंने बताया कि इस टूर्नामेंट के आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) व क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ (सीएएल) ने अनुमति प्रदान की है जिनके सहयोग से यह टूर्नामेंट कराया जाएगा ।आयोजन सचिव सुमित शुक्ला ने बताया कि इस टूर्नामेंट के ब्रांड एंबेसडर पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि 25 ओवर के इस लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में होने वाले टूर्नामेंट में पूर्व अंतरराष्ट्रीय व रणजी क्रिकेटर राजधानी लखनऊ में खेलते हुए नजर आयेंगे। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के मैच केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर खेले जाएंगे ।

यूपी बिहार और झारखंड के सैंकड़ों छात्र राजधानी में किस्मत आजमाएंगे

सीबीएसई ईस्ट जोन स्केटिंग प्रतियोगिता 2024 का एलपीएस वृंदावन योजना में भव्य उद्घाटन हुआ

लखनऊ, एजेंसी। सोमवार को सीबीएसई ईस्ट जोन स्केटिंग प्रतियोगिता 2024 का शुभारंभ लखनऊ पब्लिक स्कूल, सेक्टर 9 वृंदावन योजना शाखा के प्रांगण में धूमधाम से हुआ। यह कार्यक्रम 7 अक्टूबर 2024 से 9 अक्टूबर 2024 तक चौक स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस तीन दिवसीय भव्य आयोजन में 5 आयु वर्गों की लगभग 200 टीमें और लगभग 800 प्रतिभागी 70 स्पर्धाओं में भाग लेंगे ।उद्घाटन समारोह की शुरुआत मेजबान शाखा की प्रिंसिपल और आयोजन समिति की सचिव डॉ. रूपाली पटेल के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद दर्शकों ने मंत्रमुग्ध कर देने वाले स्वागत गीत, ऊर्जावान नृत्य प्रदर्शन और स्केटिंग ड्रिल प्रदर्शन का आनंद लिया। इस रोमांचक प्रतियोगिता का शुभारंभ भी बहुत ही रोमांचक रहा।

कार्यालय ग्राम पंचायत ..मंडौर.. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक/ मेमो /15वाँ वित्त/ राज्यवित्त/टेंडर नोटिस /2024-2025 दिनांक- 07-10-2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

15वाँ वित्त / राज्यवित्त / योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर में पंजीकृत फर्मो/सप्लायरो से दिनांक. 16-10-2024 को अपरान्ह.. 01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदाये आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह.. 03..बजे तक ग्राम पंचायत में तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 08-10-2024 से 16-10-2024 को अपरान्ह 01बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है।

क्रं० सं०	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	मात्रा	प्राकलन की धनराशि लाख रु० में	प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में	निविदा मूल्य रु० में
01.	ग्राम पंचायत मंडौर में भूसा घर का निर्माण कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	1.95 लाख	2%	500
02.	ग्राम पंचायत मंडौर के सामुदायिक शौचालय में बाउन्ड्री वाल एवं गेट का निर्माण कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	1.76 लाख	2%	500
03.	ग्राम पंचायत मंडौर के भूसा घर में टीन शेड, पुट्टी पुताई एवं गेट का निर्माण कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	3.66 लाख	2%	500

निविदा शर्ते-

नोट- निविदा से समबन्धित शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है
समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी
सचिव मंडौर

ग्राम पंचायत
प्रधान मंडौर

स्कंदमाता

पंचम दिवस में करें,
स्कंदमाता का ध्यान,
वात पित्त कफ रोगों का,
करती मां अवसान।।

स्कंद कुमार की माता बन,
लिया शक्ति ने अवतार,
दैत्य दानवों का हनन कर,
किया संतों का उद्धार।।

महादेव की वामनी,
माहेश्वरी कहलाए,
हिमालय की पुत्री ये,
गौरी सदा सहाय।।

चार भुजा से शोभती,
कमल है दोनों हाथ,
दो हाथों से पुत्र स्कंद को थामे,
रहे सदा उनके साथ।।

सूर्य मंडल की अधिष्ठात्री,
देती तेज अपार,
इच्छाएं पूर्ण करें,
खोले मोक्ष के द्वार।।

हे मां! सर्वत्र विराजे तू,
करूं बारंबार प्रणाम,
भवसागर से पार करो,
पूर्ण करो सब काम।।

शुभदस्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी।।
नीता शर्मा
शिलोंग, मेघालय

सम्पादकीय.....

नक्सल पर नकेल

पिछले कुछ महीने में सुरक्षा बलों ने बड़ी संख्या में माओवादी हमलों को नाकाम कर दिया और कई नक्सलियों को मार गिराया। अबूझमाड़ के जंगलों में ताजा मुठभेड़ में एक पहलू यह भी है कि घटनास्थल से घातक हथियार बरामद किए गए। छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में नक्सली विद्रोहियों के खिलाफ लंबे समय से सुरक्षा बलों का अभियान जारी है, मगर थोड़े–थोड़े अंतराल पर घात लगा कर हमला करने और उसमें जवानों की मौत की घटनाएं होती रहती हैं। हालांकि इस बीच सुरक्षा बलों ने काफी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया है या फिर उन्हें कानून के शिकंजे में लिया है। शुक्रवार को सुरक्षा बलों के संयुक्त दल को एक अहम कामयाबी तब मिली जब उसने अबूझमाड़ के थुलथुली गांव के जंगल में हुई मुठभेड़ में 30 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया। हालांकि इससे पहले नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी थी, जिसके बाद उनके खिलाफ जवाबी कार्रवाई की गई। इस घटना में एक खास पहलू यह भी है कि मुठभेड़ में सभी जवान सुरक्षित रहे। इसके बाद घटनास्थल पर एके–47 और एसएलआर राइफलों सहित भारी मात्रा में घातक हथियारों का जखीरा बरामद किया गया। इससे पहले अप्रैल में हुई एक मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे। पिछले कुछ महीने में सुरक्षा बलों ने बड़ी संख्या में माओवादी हमलों को नाकाम कर दिया और कई नक्सलियों को मार गिराया। अबूझमाड़ के जंगलों में ताजा मुठभेड़ में एक पहलू यह भी है कि घटनास्थल से घातक हथियार बरामद किए गए। हालांकि माओवादी समूहों के पास इतने बड़े पैमाने पर घातक हथियारों का होना कोई हैरानी की बात नहीं है, लेकिन सवाल है कि जब छत्तीसगढ़ में जंगली इलाके के बाहर निगरानी और सुरक्षा का घेरा सख्त है, तब माओवादी समूहों के पास इतनी बड़ी तादाद में घातक हथियार कैसे पहुंच जाते हैं! जो हो, सुरक्षा बलों की विशेष टुकड़ियों ने नक्सली हमलों का सफलता से सामना किया है और उन्हें कमजोर करने के प्रयास जारी है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नक्सलवाद की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए इन समूहों के हिंसक हमलों का सामना करने के साथ–साथ आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी जनकल्याण के लिए नीतिगत और जमीनी स्तर पर ठोस पहल करने की जरूरत है, ताकि ऐसे संगठनों को अभाव से जूझती आबादी के बीच पांव जमाने से दूर किया जा सके।

कर्म का संबल ही जीवन की उपादेयता

डॉ. दीपक पाचपोर

मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए।

हर व्यक्ति के जीवन में संघर्ष की प्रधानता होती ही है बड़े लक्ष्य की साधना और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा सइसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रख उसका सदुपयोग करने का प्रयास करना होगा तब पूर्व निर्धारित सफलता आपके सामने होगी। कठिन तथा विषम परिस्थितियों सदैव आपकी अग्निपरीक्षा लेती रहेंगी ऐसे समय मे मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना होगा और की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे स निराशा, हताशा और हीन भावना पर कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है। जीवन में उतार–चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग–अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है ।इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, खासकर विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए। उच्च मनोबल और साहस की ऊर्जा ही मनुष्य को नई दिशा, नए प्रकाश पुंज की ओर अग्रसर करती है।

क्रिप्टो करेंसी का अर्थ-शास्त्रीय तिलस्म,वैधानिक नियंत्रण और संतुलन?

संजीव ठाकुर

आज का युग तकनीकी तथा नवाचार का युग हैस वैश्विक स्तर पर हर देश में आज तकनीकी नवपरिवर्तन से दो–चार हो रहा हैंस तकनीकी परिवर्तन ने एक नये अध्याय क्रिप्टो करेंसी के रूप में विकासशील देश के सामने परोस कर रख दिया हैस इन परिस्थितियों में जब भारत जैसे विकासशील देश में बड़ी संख्या में नागरिकों को इंटरनेट और मोबाइल के संपूर्ण ज्ञान की ही समझ–परख नहीं है ऐसे में क्रिप्टो करेंसी का मायाजाल एक अबूझ पहली बनकर सामने आया है जिससे न जाने कितने लोगों के रुपयों से शातिर साइबर ठग अपनी जेबें में भर सकते हैं। आज क्रिप्टो करेंसी के बारे में खुलकर उसे आमजन को अवगत कराकर उसका कानूनी विश्लेषण किया जाना अत्यंत आवश्यक प्रतीक होता है। तकनीकी परिवर्तन के कारण देश में हर क्षेत्र में डिजिटलाइजेशन हो रहा हैस ऐसा ही एक नया प्रयोग,नवाचार आभासी मुद्रा यानी क्रिप्टो करेंसी का आर्थिक क्षेत्र में पदार्पण हुआ हैस क्रिप्टो करेंसी के सिक्के के भी दो पहलू हैं एक पहलू में बहुत सारे लाभ हैं और दूसरे पहलू में आर्थिक संदर्भ में चुनौतियां या सुरक्षा अंतर्निहित है। इसको अपनाने से पहले या इसे स्वीकार करने से पहले इसके कानूनी पक्ष और विधि सम्मत स्वीकार्यता पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी। क्रिप्टोकरंसी एक डिजिटल मुद्रा है, जिसे ना तो देखा जा सकता है ना ही चुन सकते न मुद्रा की भांति जेब में या पर्स में रखा जा सकता है, क्योंकि इसकी हार्ड कॉपी या मुद्रित रूप उपलब्ध ही नहीं है। यह करेंसी भौतिक रूप से उपलब्ध ना होने के कारण इसे आभासी मुद्रा कहा जाता है। यह एक स्वतंत्र किस्म की मुद्रा है इसका संचालन व नियमन किसी संस्था या सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता इसे विकेंद्रीकृत मुद्रा भी कहा जाता है। यह एक डिजिटल मुद्रा है। यह एक ऐसी मुद्रा है जिसे कंप्यूटर एल्गोरिथ्म के आधार पर बनाया जाता है। किसे केवल कंप्यूटर में ही देखा जा सकता है गिना जा सकता है एवं भुगतान किया जा सकता है। यह मुद्रा सरकारी नियंत्रण से मुक्त है। विश्व में सबसे पहले 2009 में जापान के संतोषी नाकमोतो द्वारा बनाई गई थी। वर्तमान में बाजार में 1500 से भी ज्यादा क्रिप्टो करेंसी उपलब्ध है, जो पियर टू पियर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के रूप में काम करती है। वर्तमान में क्रिप्टोकरंसी काफी लोकप्रिय होती जा रही है इसकी लोकप्रियता का कारण एक यह भी है कि यह गोपनीयता बनाए रखने में सहायक होती है। जिसके लेन देन में छद्म नाम एवं पहचान बनाई जाती है। ऐसे में निजता तो लेकर अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तियों को यह व्यवस्था बहुत उपयुक्त लगती है। इसके लेनदेन में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आर्थिक बोझ कम पड़ता है। जिसके लेन देन में थर्ड पार्टी के सर्टिफिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है। इसके लेनदेन में समय तथा धन की बहुत ज्यादा बचत होती है। सामान्य बैंक खातों की तरह इसमे किसी भी प्रकार के कागजात की आवश्यकता भी नहीं होती है। बैंकिंग प्रणाली तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लेनदेन पर सरकार का कड़ा नियंत्रण होता है, जबकि यह राष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम के प्रत्यक्ष नियंत्रण के बाहर होने कारण लेनदेन के आदान–प्रदान का विश्वसनीय एवं सुरक्षित माध्यम बनकर उभरा है। सरकार के पास बैंक खाते को जप्त करने का अधिकार होता है, जबकि की क्रिप्टो करेंसी के मामले में ऐसा नहीं कर सकती अतः सरकार से बचाव के प्रभावशाली विकल्प के रूप में इस मुद्रा का प्रयोग किया जा रहा है। साथ ही नोटबंदी एवं मुद्रा के अवमूल्यन का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। यह डिजिटल करेंसी है, अतः इसमें धोखाधड़ी की संभावनाएं बहुत कम होती है। या निवेश के लिए इस प्लेटफार्म पर अधिक पैसा होने पर क्रिप्टोकरंसी में निवेश करना लाभप्रद माना जा रहा है, क्योंकि इसकी कीमतों में बहुत तेजी से उछाल होता है। क्रिप्टो करेंसी राशि सीमाओं से परे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही कम लागत पर एक देश से दूसरे देश को पैसा भेजने के लिए सुगम साधन बन चुका है। 2009 में बिटकॉइन क्रिप्टो करेंसी की शुरुआत हुई थी। वर्तमान में एक बिलियन बिटकॉइन इंटरनेट के नेटवर्क में समाहित है, तथा नए बिटकॉइन का लगातार आगमन हो रहा है। आज प्रत्येक बिटकॉइन का मूल्य ध्500 है, जो दुनिया की सबसे महंगी करेंसी मानी जाती है। कुछ लोग इसे गोल्डरश के नाम से भी पुकारते हैं। वर्ष 2014 से माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सेवाओं के लिए बिटकॉइन के रूप में भुगतान लेना शुरू कर दिया है।

निकोसिया विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के प्रवेश शुल्क के रूप में बिटकॉइन करेंसी स्वीकार किया था । 2018 प्रशांत महासागर में स्थित मार्शल द्वीप क्रिप्टो करेंसी के लीगल टेंडर को मान्यता देने वाला पहला वैश्विक देश है। वेनेजुएला ने भी क्रिप्टो करेंसी की तर्ज पर पेट्रो नामक एक करेंसी प्रारंभ की है ऐसा करने वाला विश्व का पहला संप्रभुता वाला देश है। कई देशों में इसे आर्थिक संकट से उबारने वाला उपाय की तरह देखा जा रहा है। विश्व के कई देश इसकी पारदर्शिता तथा विधि स्वीकार्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं। कई देशों ने इस पर प्रतिबंध लगा रखा है उसे मान्यता प्रदान नहीं की है। भारत ने भी अभी इसे किसी भी तरह की मान्यता प्रदान नहीं की है। भारतीय संदर्भ में आभासी मुद्रा में उच्च स्तर की अनिश्चितता एवं के कारण भारत सरकार का दृष्टिकोण प्रतिबंधात्मक ही रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 1913 में पहली बार इस संदर्भ में चेतावनी जारी की थी फिर 2017 में रिजर्व बैंक ने इस संदर्भ में जनता को आगाह कर इससे सावधान रहने के लिए कहा है। रिजर्व बैंक के अंदर क्रिप्टो करेंसी के संचालन में आर्थिक, वित्तीय, परिचालनात्मक कानून ग्राहक संरक्षण और उसकी सुरक्षा संबंधी जोखिम मौजूद हैं। रिजर्व बैंक द्वारा किसी प्रकार की क्रिप्टो करेंसी को मान्यता प्राधिकार या लाइसेंस नहीं दिया है। क्रिप्टो करेंसी पर प्रतिबंध और अधिकारिक डिजिटल मुद्रा विधेयक 2019 के ड्राफ्ट में यह प्रस्ताव दिया गया है कि देश में क्रिप्टोकरंसी की खरीद बिक्री करने वालों को 10 वर्ष की जेल की सजा होगी। इस प्रकार भारत में सभी प्रकार के क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध है। भारत सरकार ने इसे मान्यता नहीं दी है। क्योंकि क्रिप्टो करेंसी काले धन को छुपाने का एक बड़ा जरिया भी हो सकता है तथा सरकार को इस को प्रतिबंधित करने के लिए और कड़े नियम कानून बनाने की आवश्यकता होगी। ईस में सबसे बड़ी हानि होती है कि इसका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं है और इसका मुद्रण भी नहीं किया जा सकता है ।मतलब स्पष्ट है कि यह करेंसी के रूप में छापी भी नहीं जा सकती और ना ही इसकी कोई पासबुक या अकाउंट ही जारी किया जा सकता है।

कितनी कारगार कृषि उत्थान योजनाएं ?

प्रेम शर्मा

किसानों के हितों की रक्षा और उनकी उन्नति की बॉते हर सरकार करती है। हर सरकार में कृषि और किसानों के हितों में व्यापक योजनाएं घोषित कर चलाई गई। वर्तमान सरकार भी कृषकों की आय चार गुनी करने से लेकर तमाम तरह की दावें करने के साथ कई योजनाए कृषि और कृषक हित में चला रही है। देश में किसानों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम–किसान), प्रधानमंत्री किसान मान धन योजना (पीएम–केएमवाई), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई), एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ), राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और हनी मिशन (एनबीएचएम), 10,000 एफपीओ का गठन और प्रचार, खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन – ऑयल पाम (एनएमईओ–ओपी) पहले से चल रही हैं। पॉच अक्टूबर 2024 को किसानों के हित व खाद्य सुरक्षा की रक्षा करने के लिए कैबिनेट ने 1 लाख करोड़ रूपये की एक और योजना को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि उन्नत योजना बनाई गई हैं। इन योजनाओं में कुल मिलाकर 1 लाख 1 हजार 321 करोड़ 61 लाख रूपये खर्च होंगे। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत मृदा स्वस्थ प्रबंधन, वर्षा आधारित क्षेत्र का विकास, कृषि वानिकी, परंपरागत कृषि को बढ़ावा देना, फसल अवशेष प्रबंधन, कृषि का यंत्रिकरण, पर ड्रॉप मोर क्रॉप, क्रॉप डायवर्सिफिकेशन–फसल विविधिकरण, कृषि स्र्टाअप के लिए निधि शामिल है। कृषि उन्नत योजना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन, राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन, एकीकृत बागवानी विकास मिशन, कृषि विस्तार पर उप मिशन, कृषि विपणन के लिए एकीकृत योजना, डिजिटल कृषि मिशन और कृषि जनगणना अर्थशास्त्र और सांख्यिकी इस पर भी एकीकृत योजनायें बनेंगी। इन योजनाओं को लचीला रखा गया है। डिजिटल कृषि मिशन के बहुत फायदे होंगे। इससे रिकॉर्ड में हेराफेरी नहीं हो सकेगी, रिमोट सेंसिंग के माध्यम से फसल के नुकसान का आंकलन होने से फसल बीमा योजना का पूरा लाभ मिलेगा। किसानों को डिजिटल माध्यम से जितना लाभ दिया जा सकता है उतना देने के प्रयत्न जारी हैं। स्वयं सहायता समूह की दीदीयों को ड्रोन दिये गये हैं। ड्रोन में बैटरी जल्दी खत्म होने की समस्या आ रही है तो उन्हें अब ड्रोन की 5 बैटरी दी जायेंगी। मोदी सरकार ने छह सूत्रीय रणनीति यानि उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन की लागत घटाना, उत्पादन के ठीक दाम देना, प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की भरपाई करना, कृषि का विविधिकरण, वेल्यू एडिशन और प्राकृतिक खेती है। किसानों को ठीक दाम मिलें इसके लिए पिछले दिनों कुछ बड़े निर्णय लिये गये हैं। इसके इतर आज भी देश में 98 प्रतिशत किसानो की स्थिति चिन्ताजनक बनी हुई है। सब जानते है कि भारतीय कृषि कई समस्याओं से ग्रस्त है। सिंचाई के लिए मानसून पर निर्भरता, भूमि का विखंडन, उचित तकनीक के बिना लंबे समय तक भूमि का उपयोग, कृषि में कम निवेश, उर्वरकों और कीटनाशकों का असंगत उपयोग जैसी तमाम समस्याएं है। एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 70 प्रतिश कृषि परिवारों के पास 1 हेक्टेयर से कम भूमि है और लगभग 88 प्रतिशत के पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि है। ऋण का उच्च स्तर–0.63 हेक्टेयर से छोटा प्लॉट गरीबी रेखा से ऊपर रहने के लिए पर्याप्त आय प्रदान नहीं करता है। भारतीय कृषि के सामने चुनौतियों में चार मुख्य कारक पर्यावरणीय, आर्थिक, संस्थागत और तकनीकी शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन, अप्रत्याशित मानसून और मिट्टी का क्षरण भेद्यता में योगदान देता है। आर्थिक संघर्षों में कम आय, ऋण पहुंच संबंधी समस्याएं और बाजार में अस्थिरता शामिल हैं। किसानों के सामने कृषि इनपुट की कमी, श्रम और इनपुट लागत में वृद्धि, बाजारों का बंद होना और परिवहन सुविधाओं का अभाव शामिल हैं। संकटग्रस्त जैव विविधता, कृषि योग्य भूमि का सीमित होना, जलवायु परिवर्तन, मानव शक्ति की कमी और कृषि पशुओं की बीमारियां ऐसी समस्या और खुले पशुओं से फसल की सुरक्षा जैसे संकट का जवाब ढूंढना बहुत कठिन है। बढ़ती आबादी में खाद्य सुरक्षा और हर वर्ष अन्न उत्पादन बढ़ाने की राह में मुश्किलें बढ़ रही हैं। ऐसे में कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन की दरकार महसूस की जाती रही है। दो नई परियोजनाओं को मंजूरी मिलने से स्वाभाविक ही इस क्षेत्र में कुछ बेहतरी की उम्मीद जगी है। टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के मकसद से सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषोन्नति योजना नामक दो नई योजनाएं शुरू की हैं। सरकार ने इस वर्ष तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था। वह वादा पूरा तो नहीं हो पाया, पर कुछ तरक्की के संकेत जरूर मिले हैं। देखना है, नई योजनाएं इस वादे को पूरा कर पाने में कितनी और कहां तक मददगार साबित होती हैं। सरकारी दावों के विपरीत जमीनी हकीकत कुछ अलग है। स्थिति यह है कि खेती लंबे समय से घाटे का उद्यम बन चुकी है। बहुत सारे क्षेत्रों में सिंचाई की उचित सुविधा उपलब्ध नहीं है। वहां किसानों की मानसून पर निर्भरता है। फिर, खेती में लागत काफी बढ़ गई है। बीज, उर्वरक और तने कीटनाशकों आदि की कीमतें बहुत सारे किसानों की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं। फसलों के उचित दाम नहीं मिल पाते। लागत और लाभ में काफी अंतर है। कुछ फसलें लागत से भी कम कीमत पर बेचनी पड़ती हैं। सरकार हर वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा तो करती है, मगर उस कीमत पर भी अनाज बाजार में नहीं बिक पाता। बिचौलिए उससे काफी कम कीमत पर फसल खरीदते हैं। नगदी फसल उगाने वाले किसानों को अक्सर अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी मौसम की मार से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कभी बाजार में उतार और मांग कम होने के कारण उन्हें औने–पौने दाम पर फसल बेचनी पड़ती है। हर वर्ष किसानों को प्रतिरोध में फसलें सड़कों पर फेंकते देखा जाता है। लम्बे अरसे से किसान मांग करते रहे हैं कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जाए। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दी जाए और इसके दायरे में और फसलों को लाया जाए। इस मांग को लेकर किसान लंबे समय तक आंदोलन भी कर चुके हैं। मगर इस पर सरकार का रुख सकारात्मक नहीं देखा गया। सरकार कृषि को व्यवसाय का दर्जा देने की बात सैद्धांतिक रूप से तो करती रही है, मगर व्यावहारिक स्तर पर उसकी कृषि नीतियां प्रश्नों के दायरे में बनी हैं। दरअसल, किसानों की समस्या तदर्थ उपायों से दूर नहीं होगी। टिकाऊ कृषि लिए व्यापक स्तर पर और व्यावहारिक उपाय करने की जरूरत है। इसके लिए उत्पादन, भंडारण, विपणन आदि खेती–किसानी के हर पहलू पर भरोसेमंद कदम उठाने होंगे।

दीपशिखा नागपाल ने बताया कि कैसे देव आनंद ने उन्हें अपने साथ काम करने के लिए राजी किया

अभिनेत्री ने दिवंगत स्टार के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा, मुझे अभी भी उनके शब्द याद हैं, दीपशिखा, मेरे साथ काम करो और अगर तुम नहीं चाहती हो तो किसी और के साथ काम मत करना। मैं आखिरकार राजी हो गई, हालांकि मैंने जोर दिया कि वह मेरी बहन को भी साइन करें। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पहली फिल्म गैंगस्टर थी। मुझे लगा था कि यह मेरी आखिरी फिल्म होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल ने खुलासा किया है कि उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर इसलिए चुना क्योंकि, प्रतिष्ठित अभिनेता–फिल्म निर्माता देव आनंद ने उनसे कहा था। अभिनेत्री ने कहा, मेरा परिवार, खास तौर पर मेरे नानाजी, पहले से ही फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थे। मूक फिल्मों के दौर से ही मेरे नानाजी ने दादा मुनि (अशोक कुमार) और महमूद जैसे दिग्गजों को मौका दिया था। मेरी मां गुजराती फिल्मों में अभिनेत्री थीं और मेरे पिता निर्देशक, लेखक और अभिनेता थे। दिग्गज अभिनेता देव आनंद अपनी फिल्म के लिए लड़कियों की तलाश कर रहे थे और मेरी मां मुझे और मेरी बहन को उनसे मिलवाने ले गई थी। दीपशिखा ने बताया कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि देव आनंद मेरी बहन को नहीं बल्कि उन्हें साइन करना चाहते थे। भले ही वह एक अभिने थी। देव आनंद के प्रस्ताव को मैंने ठुकरा दिया। क्योंकि अभिनय कभी मेरा सपना नहीं था। मैं मिस इंडिया या एक स्वतंत्र कॉर्पोरेट महिला बनना चाहती थी, शायद एक फैशन डिजाइनर भी। लेकिन देव साहब लगातार कोशिश करते रहे और आखिरकार उन्होंने मुझे अपने साथ काम करने के लिए मना लिया। अभिनेत्री ने दिवंगत स्टार के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा, मुझे अभी भी उनके शब्द याद हैं, दीपशिखा, मेरे साथ काम करो और अगर तुम नहीं चाहती हो तो किसी और के साथ काम मत करना। मैं आखिरकार राजी हो गई, हालांकि मैंने जोर दिया कि वह मेरी बहन को भी साइन करें। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पहली फिल्म गैंगस्टर थी। मुझे लगा था कि यह मेरी आखिरी फिल्म होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इंडस्ट्री ने मुझे नोटिस करना शुरू कर दिया। लोग मेरी तुलना परवीन बॉबी से करने लगे, और मैंने इस सफर का आनंद लेना शुरू कर दिया। दीपशिखा ने खुलासा किया कि उन्हें 1995 की फिल्म करण अर्जुन की पेशकश की गई थी, जिसमें सलमान खान और शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने कहा, मुझे राकेश रोशन ने श्करण अर्जुन की पेशकश की थी। लेकिन, मुझे अफसोस है कि मैंने इसे ठुकरा दिया था। मैं देव आनंद की गैंगस्टर में काम कर रही थी। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्मों से टेलीविजन की ओर रुख क्यों किया। उन्होंने बताया कि मैंने शादी करने के बाद अपना ध्यान फिल्मों से टेलीविजन की ओर मोड़ लिया। लगभग उसी समय, मॉरीन वाडिया की ग्लैडरैग्स मिसेज इंडिया प्रतियोगिता शुरू हुई, और मैंने इसमें भाग लेने का फैसला किया। यह कुछ ऐसा था जिसे मैं खुद अनुभव करना चाहती थी। अभिनेत्री ने कहा, "मैंने 2003 की मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम रनर–अप रही। साथ ही कोहिनूर वूमन ऑफ द ईयर का खिताब भी जीता। पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे अपने सफर पर गर्व होता है, भले ही मैंने करण अर्जुन जैसे कुछ अवसर गंवा दिए हों। लेकिन मेरा मानना है कि सब कुछ किसी कारण से होता है। अब, मुझे उम्मीद है कि अगर मेरी बेटी कभी मेरे नक्शेकदम पर चलना चाहती है या मार्गदर्शन

तृप्ति डिमरी ने अपनी गायकी से दर्शकों को किया प्रभावित

एक्टर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी फिल्म शविक्की विद्या का वो वाला वीडियो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान राजकुमार राव सा रे गा मा पा के सेट पर पहुंचे और यहां खूब हंगामा किया। हालांकि, राजकुमार राव के डांस की झलक देखकर सोशल मीडिया पर लोग हैरान हैं। नए नवरात्रि स्पेशल एपिसोड में राजकुमार, तृप्ति और शिल्पा शेट्टी एक साथ नजर आए। तृप्ति के आते ही उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ष्सा रे गा मा पा के मंच पर आना मेरा बचपन का सपना था। राजकुमार राव ने तृप्ति की संगीत प्रतिभा को उजागर करते हुए उत्साह को और बढ़ाते हुए कहा, तृप्ति एक पेशेवर रूप से प्रशिक्षित गायिका हैं। जैसे ही राजकुमार ने तृप्ति की तारीफ की, उन्होंने माइक लिया और तुम जो मिले हो गाना गाया, इससे सेट पर मौजूद सभी लोग उनकी गायन प्रतिभा से आश्चर्यचकित हो गए। शो के इस सीजन में संगीतकार जोड़ी सचिन–जिगर शामिल हैं, जो प्रतिभाशाली संगीतकार–गीतकार जोड़ी सचेत–परंपरा और प्रशंसित गायक–गीतकार गुरु रंधावा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। शो को विपुल रॉय और सलमान अली होस्ट कर रहे हैं।'सा रे गा मा पा' शनिवार और रविवार को जी टीवी पर प्रसारित होता है। इस बीच, 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार को दिखाया गया है, जो अपनी पहली रात को यादगार के तौर पर फिल्माने का फैसला करते हैं। लेकिघ्नि वीडघ्यिो बनाने के बाद उसकी सीटी गायब हो जाती है। इससे हंगामा मच जाता है। टी–सीरीज, बालाजी मोशन पिक्चर्स, वकाओ फिल्म और कथावाचक फिल्म्स के बैनर तले निर्मित 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा ने तस्वीरों के जरिए बताया कि इन दिनों उनका जीवन कैसा बीत रहा है

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास इन दिनों कैसी हैं इसकी झलक इंस्टाग्राम पर दिखाई है। तो 15 तस्वीरें बताती हैं कि इन दिनों वो सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन की शूटिंग में व्यस्त हैं लेकिन अपने अपनों को भी नहीं भूली हैं चाहे वो बिटिया मालती मैरी हो या फिर 80 साल की रिश्तेदार फ्रान! रविवार को, अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा की और सबके बारे में बताया भी। लंबे चौड़े नोट से जाहिर किया कि श्इन दिनोंश उनका जीवन कैसा है? कैसे वो प्रोफेशन और पारिवारिक दायित्वों को निभा रही हैं। पिक्स और शॉट्स ज्यादातर सिटाडेल के लोकेशन से हैं। प्रियंका ने बताया है कि इस बार कैसे उनका किरदार नादिया कुछ अलग होगा। प्रियंका ने 1 से लेकर 15 तक तस्वीरें और छोटे वीडियो शेयर किए हैं।लिखा है, 1 और 2रू नादिया इस सीजन में थोड़ी अलग है। 3रू ट्यूब (लंदन में अंडरग्राउंड ट्रेन) में। 4रू शूटिंग को समेट पार्क में जाने की जल्दी। 5रू जब वह (मालती मैरी) काम पर मां से मिलने आती है। 6रू और हम फिर से पार्क में जाते हैं। 7रू सैर पर हम, गाने और बातचीत (बेटी के साथ वीडियो) 8रू दोस्तों से मिलना जरूरी (इसमें अपनी सहेली नताशा को टैग किया है) 9रू वह 80 साल की हो गईं! जन्मदिन मुबारक हो फ्रान (इस तस्वीर में सास को टैग किया है)। 10रू जब सूरज की किरणें आपको जगाती हैं। 11रू ट्रैफिक सेल्फी (बेटी के साथ)। 12,13,14रू जब ग्लैमर इतना अच्छा होता है। 15रू हवाई जहाज में वापस। हमेशा की तरह, घर की ओर दौड़ पड़ी हूं" ।पीसी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। डे टू डे लाइफ का अपडेट देती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी ग्रूमिंग और ग्रोथ की ओर इशारा करती तस्वीरें साझा की थी। एक ओर था बचपन की तस्वीर का एक थ्रोबैक कोलाज और दूसरी ओर थी करियर के शुरुआती चरण की एक तस्वीर। उन्होंने एक लंबा कैप्शन लिख अपने बचपन और अपनी युवावस्था को याद किया था।उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, "चेतावनीरू 9 साल की इस बच्ची को ट्रोल न करें। यह सोचना कितना बेतुका है कि किशोरावस्था और ग्रूमिंग कैसे एक लड़की को बदल कर रख देते हैं। बाईं ओर मैं अपने किशोरावस्था से पहले के अजीब हेयरस्टाइल में बॉय कट हेयरस्टाइल के साथ हूं, ताकि स्कूल में यह बोझिल न हो। (धन्यवाद मां मधु चोपड़ा) मुझे ष्कटोरी कटष से बॉय कट तक लाने के लिए। तो यह एक जीत थी (हंसती इमोजी के साथ) और दाईं ओर मैं 17 साल की तब साल 2000 में मिस इंडिया का खिताब जीता था और इसके बाद सब कुछ बदल गया, हेयरस्टाइल से लेकर मेकअप तक! दोनों तस्वीरें में एक दशक से भी कम का समय लेकिन अंतर कितना बड़ा।"

अहमदाबाद पहुंचे राजकुमार और तृप्ति, उठाया गुजराती थाली का लुत्फ

अभिनेता राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अपनी आगामी फिल्म "विक्की विद्या का वो वाला वीडियोष को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों कलाकार नवरात्रि के मौके पर अहमदाबाद में थे। जहां उन्होंने गुजराती भोजन का आनंद उठाया।फिल्म "विक्की विद्या का वो वाला वीडियो" के निर्माताओं द्वारा एक वीडियो शेयर किया गया है। वीडियो में दोनों सितारे एक रेस्तरां में बैठे हैं। उनके टेबल पर खाने की एक प्लेट है। इसमें 10 प्रकार के व्यंजन हैं।राजकुमार राव व तृप्ति डिमरी अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए अहमदाबाद पहुंचे थे। इस फिल्म का निर्देशन राज शांडिल्य ने किया है। राज ने इससे पहले आयुष्मान खुराना–स्टारर "ड्रीम गर्ल" और "ड्रीम गर्ल 2" का निर्देशन किया है। फिल्म के निर्माताओं द्वारा हाल ही में ट्रेलर जारी किया गया था। दर्शकों को फिल्म का ट्रेलर काफी पसंद आया था। "विक्की विद्या का वो वाला वीडियो", में अभिनेत्री मल्लिका शेरावत, विजय राज और मुकेश तिवारी भी हैं। यह फिल्म एक ऐसे शादी–शुदा जोड़े की है, जो अपनी पहली रात को यादगार बनाने के लिए इसे शूट करना चाहते हैं, सब कुछ ठीक होता है। लेकिन, जैसे ही उन्हें पता चलता है कि सीडी चोरी हो चुकी है तो फिर मचता है हंगामा। फिल्म की अधिकतर शूटिंग ऋषिकेश में हुई है। रणबीर कपूर अभिनीत एनिमल के बाद यह तृप्ति डिमरी की तीसरी फिल्म है। इससे पहले उनकी बैड न्यूज हिट साबित हुई थी और अब विक्की विद्या का वो वाला वीडियो उनकी हैट्रिक लाने के लिए तैयार है। इसके बाद, उनकी पाइपलाइन में भूल भुलैया 3 और धड़क 2 हैं। वह शाहिद कपूर के साथ विशाल भारद्वाज की बहुप्रतीक्षित अनटाइटल्ड एक्शन ड्रामा में भी दिखाई देंगी। राजकुमार की बात करें तो, वह मौजूदा समय में स्त्री 2 की सफलता का आनंद ले रहे हैं, जो साल 2018 में रिलीज हुई स्त्री का सीक्वल है। अभिनेता ने अपने 40वें जन्मदिन पर अपनी अगली एक्शन थ्रिलर फिल्म मालिक का पहला लुक साझा किया था। जिसका निर्देशन पुलकित ने किया है। जिन्होंने इससे पहले डेढ़ बीघा जमीन, बोसरू डेड,अलाइव और भक्षक का निर्देशन किया है। अभिनेता पहली बार अपनी फिल्मी करियर में एक्शन थ्रिलर में गैंगस्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अभी चल रही है। भारत में कई जगहों पर शूटिंग की जाएगी। मालिक का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले और जय शेवक्रमणी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के तहत किया है।

जब पूरे बॉलीवुड ने एक आवाज में कहा था संजू हम तुम्हारे साथ

हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज फिल्म घुड़चढ़ी में 90 की दशक के सुपर स्टार्स में से एक संजय दत्त नजर आए और इसके साथ ही लोगों को याद आया वो दौर भी जब तमाम दिक्कतों से जूझ रहे बाबा को फिल्म इंडस्ट्री ने सपोर्ट किया। इस अभिनेता ने जिंदगी में बहुत कुछ झेला। ड्रग एडिक्शन से छुटकारा पाने के लिए लड़ा तो कैंसर का भी सामना किया। करियर आकार ही ले रहा था कि मां नरगिस दत्त को खो दिया। फिर नाम आतंकवादी गतिविधियों में भी आया और इसके लिए जेल भी गया। बता दें कि 4 जुलाई 1994 को अभिनेता को मुंबई बम धमाकों में उनकी कथित संलिप्तता के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। उन्हें आतंकवादी गतिविधियों के तहत गिरफ्तार किया गया था। सोशल मीडिया, इंटरनेट या सेल फोन के बिना भी यह खबर बॉलीवुड में आग की तरह फैल गई। इसके बाद पूरा बॉलीवुड संजय दत्त के समर्थन में आ खड़ा हुआ। अगले दिन सिने आर्टिस्ट एसोसिएशन द्वारा तत्कालीन प्रमुख आशा पारेख के घर पर एक बैठक आयोजित की गई। 6 जुलाई तक सभी कलाकार अभिनेता के साथ खड़े थे। समर्थन इतना मजबूत था कि फिल्मों और विज्ञापनों की शूटिंग तुरंत रद्द कर दी गई। इसके बाद बॉलीवुड के सभी नामी बड़े कलाकार ठाणे जेल पहुंचे जहां संजय दत्त को रखा गया था। कलाकारों की ओर से जेलर को एक पत्र सौंपा गया। समर्थन देने पहुंचे कलाकारों में दिलीप कुमार से लेकर यश चोपड़ा और सलमान खान, शाहरुख खान, सैफ अली खान, महेश भट्ट, सायरा बानो, करिश्मा कपूर, अमरीश पुरी और रणधीर कपूर जैसे बड़े सितारे शामिल थे। बता दें कि 'हम' के लिए मशहूर निर्देशक मुकुल आनंद ने संजय दत्त के समर्थन में रातों–रात 1,000 पोस्टर छपवाए थे। पोस्टर पर लिखा गया था "संजू हम तुम्हारे साथ हैं। संजय दत्त ने आने जीवन में काफी दुखों का सामना किया है। अभिनेता ने कुछ गलतियां भी की है, जिसकी कीमत चुकानी भी पड़ी। संजय के जीवन में एक बायोपिक भी बनाई गई, जिसमें संजय दत्त का किरदार रणबीर कपूर ने निभाया।

नवरात्रि में इस तरह से बनाएं कच्चे सिंघाड़े का फलाहरी सब्जी, नोट करें इसे बनाने का तरीका

अगर आप भी नवरात्रि के नौ दिन तक व्रत रखें और आप भी अलग–अलग प्रकार की फलाहर रेसिपी खोज रहे हैं तो आपको कहीं और जानें की जरुरत नहीं है इस लेख में हम आपको बताएंगे शुद्ध सात्विक खाना बनाने के लिए आप कच्चे सिंघाड़े से कैसे स्वादिष्ट सब्जी बनाएं। नोट करें ये रेसिपी।

नवरात्रि का त्योहार का आरंभ 3 अक्टूबर से हो गया है। इस बीच मां दुर्गा के भक्तों ने 9 दिनों तक व्रत रखा है। इन नौ दिनों तक भक्त जन देवी मां की आराधना और पूजा करते हैं। अगर आप भी व्रत के दौरान शुद्ध और सात्विक खाने की रेसिपी देख रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। व्रत में सिंघाड़ा खूब खाया जाता है, सिंघाड़े के आटा भी खाया जाता है। अगर आप कच्चे सिंघाड़े से कुछ नया बनाना चाहता हैं तो यह रेसिपी जरुर ट्राई करें।

कच्चे सिंघाड़े की सब्जी की सामग्री

– कच्चा सिंघाड़ा
– देसी घी
– जीरा
– काली मिर्च
– नींबू रस
– बारीक कटी हुई हरी धनिया
– सेंधा नमक

कच्चे सिंघाड़े की सब्जी की रेसिपी

– सबसे पहले आप कच्चे सिंघाड़े को अच्छे पानी में डालकर साफ कर लें।

– इसके बाद सिंघाड़ों का छिलका निकाल दें।

– फिर आप ऊपर की तरफ से सिंघाड़े के दो भाग में कर दें। फिर इसके छिलके को निकालना काफी आसान हो जाता है।

– आप छीले हुए सिंघाड़ों को पानी से धो लें।

– इसके बाद गैस पर कड़ाही चढ़ाएं। इसमें अब देसी घी डालें और गर्म होने के बाद जीरा भी डाल दें।

– जीरा भूनने के बाद इसमें कटे हुए सिंघाड़े डालें। इनमें फिर सिंघाड़ों को तेज फ्लेम पर भून लें। जब तक इनमें सोंधी महक आने लगे।

– इसके बाद आप सिंघाड़े पर सेंधा नमक, पिसी काली मिर्च, बारीक कटी हुई हरी धनिया डाल दें। अब इसमें नींबू का रस डालें।

– तैयार है आपका गर्मागर्म सिंघाड़े की सब्जी।

नवरात्रि में मां दुर्गा को करना है प्रसन्न तो इन गलतियों को करने से बचें

नवरात्रि के दौरान माता दुर्गा की आराधना का विशेष महत्व है। 2024 की शारदीय नवरात्रि 3 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। यह पर्व माता के नौ रूपों की पूजा के लिए जाना जाता है। इस दौरान भक्त माता को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न तरह से पूजा करते हैं, जिनमें फूलों का अर्पण प्रमुख है। फूल न सिर्फ सुंदरता का प्रतीक हैं, बल्कि इनके माध्यम से भक्त अपने भावनाओं को माता रानी तक पहुँचाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ फूल ऐसे हैं, जिन्हें चढ़ाना अशुभ माना जाता है? इन फूलों को माता रानी को अर्पण करने से न केवल पूजा निष्फल हो सकती है, बल्कि आपकी जिंदगी में नकारात्मक प्रभाव भी आ सकता है।

मां दुर्गा का प्रिय फूल

माता दुर्गा को अनेक फूल पसंद हैं, लेकिन सबसे प्रिय फूल है गुड़हल का लाल फूल। इसे देवी के आराधना के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। भक्त जब गुड़हल के लाल फूल अर्पित करते हैं, तो माता शीघ्र प्रसन्न होती हैं और साधक का कल्याण करती हैं। विशेष रूप से बंगाल में, दुर्गा पूजा के दौरान बिना गुड़हल फूल के पूजा को अधूरा माना जाता है। इसके अलावा, कमल, गुलाब, मोगरा, चमेली, गेंदा और जूही के फूल भी मां को बेहद प्रिय हैं। ये फूल माता रानी को अर्पित करने से भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है।

मां दुर्गा को न चढ़ाएं ये 7 फूल

पूजन के दौरान पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। परंतु कुछ फूल ऐसे हैं जिन्हें भूलकर भी मां दुर्गा को अर्पित नहीं करना चाहिए। ये फूल देवी को नाराज कर सकते हैं। यहां हम आपको बताते हैं उन 7 फूलों के बारे में, जिन्हें चढ़ाने से माता रुष्ट हो सकती हैं

1. मदार (आक)
2. धतूरा
3. हरसिंगार
4. कनेर
5. तुलसी
6. बेल

इन फूलों को शास्त्रों में वर्जित बताया गया है और इन्हें मां के चरणों में अर्पित करने से संकट आ सकता है। पूजा के दौरान अगर इनका अर्पण किया जाता है, तो मां दुर्गा प्रसन्न नहीं होतीं और इसके विपरीत नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव जीवन में आ सकता है।

मां दुर्गा को फूल चढ़ाने के नियम

मां दुर्गा की पूजा में फूल चढ़ाने के कुछ विशेष नियम होते हैं। ये नियम शास्त्रों में उल्लेखित हैं और इन्हें सही तरीके से पालन करने पर ही पूजा सफल मानी जाती है। यहां 3 मुख्य नियम बताए गए हैं, जिनका पालन आवश्यक है।

ताजे और शुद्ध फूल

मां को हमेशा ताजे और सुगंधित फूल चढ़ाने चाहिए। मुरझाए हुए, धूल भरे या कीड़ों से दूषित फूल अर्पित करने से बचना चाहिए। जो फूल टूटे या बिखरे हुए होते हैं, उन्हें अर्पित नहीं करना चाहिए। खासकर सूंघे हुए फूल या जमीन पर गिरे फूल चढ़ाने की भूल नहीं करनी चाहिए। फूलों को माता के चरणों में विधि–विधान से अर्पित करना चाहिए। मन से निष्ठा और श्रद्धा के साथ यह कार्य करना बेहद महत्वपूर्ण है।

मां दुर्गा को फूल चढ़ाने में इन गलतियों से बचें

फूलों का चयन करते समय ध्यान रखें कि फूल गंदे स्थानों पर उगे न हों। फूल बासी या मुरझाए हुए न हों। सूंघे हुए या जमीन पर गिरे फूल न अर्पित करें। बहुत तीव्र गंध वाले फूल भी माता को चढ़ाने से बचें। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा में फूल अर्पित करने से माता शीघ्र प्रसन्न होती हैं, लेकिन कुछ विशेष फूलों से दूरी बनाकर रखना चाहिए। पूजा करते समय शुद्धता और विधि का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। जब भक्त सही ढंग से और श्रद्धा के साथ फूल अर्पित करते हैं, तो मां दुर्गा उनकी सारी इच्छाएं पूरी करती हैं।

मां दुर्गा को फूल चढ़ाने के 3 महत्वपूर्ण नियम

1. ताजे फूलों का प्रयोग माता रानी को हमेशा ताजे और सुगंधित फूलों का प्रयोग करें। मुरझाए हुए या सूखे फूलों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

2. शुद्ध फूल फूलों को साफ कर ही चढ़ाना चाहिए। उनमें कोई कीड़ा या मिट्टी नहीं होनी चाहिए।

3. विधि–विधान से चढ़ाएं फूलों को विधि–विधान से निष्ठापूर्वक और मन से चढ़ाना चाहिए।

मां दुर्गा के प्रिय फूल

प्रचलित रिवाजों और परंपराओं के अनुसार, माता रानी को भांति–भांति के फूल चढ़ाए जाते हैं। भक्त और साधक जब कमल, चंपा, चमेली, गुलाब, मोगरा, गेंदा और जूही के फूल देवी मां को अर्पित करते हैं, तो मां बेहद प्रसन्न होती हैं। लेकिन गुड़हल का लाल फूल मां दुर्गा को सबसे अधिक पसंद है। गुड़हल के फूलों की माला अर्पित करने माता रानी शीघ्र प्रसन्न होती हैं और साधक का कल्याण करती हैं। बंगाल की दुर्गा पूजा बिना गुड़हल फूल के अधूरी मानी जाती है।

सिर्फ 3 दिन छोड़ दें मैदा शरीर दिखाएगा ये 8 कमाल!

डेली डाइट में ब्रेड, बिस्कुट, पैस्ट्रीज, केक सब मजे से खाए जाते हैं लेकिन यह सब चीजें मैदा से तैयार की जाती है और ये मैदा अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है जो आपके शरीर के लिए बिलकुल भी फायदेमंद नहीं है क्योंकि मैदा या रिफाइंड आटा, पेट में जाकर तेजी से ग्लूकोज में बदल जाता है जो शुगर को बढ़ा देता है।

क्यों नहीं खाना चाहिए मैदा?

डॉक्टरों के अनुसार, मैदा जो कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है, जिसका शरीर को कोई फायदा नहीं होता बल्कि कई नुकसान होते हैं क्योंकि मैदे में फाइबर बिलकुल नहीं होता और फाइबर के बिना कोई भी चीज बेजान हो जाती है। इससे आपके शरीर को मोटापा, डायबिटीज और कई तरह की क्रोनिक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए यदि आप एक या दो महीने तक मैदा का सेवन नहीं करेंगे तो शरीर में कई तरह के फायदे देखेंगे। आइए जानते हैं मैदा नहीं खाने के सेहत को कौन–कौन से फायदे होते हैं।

अगर आप सिर्फ 3 दिन के लिए मैदा (रिफाइंड आटा) छोड़ देते हैं, तो आपके शरीर में कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। मैदा अत्यधिक प्रोसेस्ड और पोषक तत्वों से रहित होता है, और इसे

छोड़ने से स्वास्थ्य पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल

अगर आप मैदा नहीं खाएंगे तो सबसे पहला प्रभाव डायबिटीज पर पड़ेगा। आपका ब्लड शुगर कंट्रोल में रहेगा। मैदा या रिफाइंड आटा पेट में जाकर तेजी से ग्लूकोज में बदल जाता है जो शुगर को बढ़ा देता है। मैदा छोड़ने पर ब्लड शुगर और इंसुलिन रेजिस्टेंस कम हो जाता है। मैदा का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (ळ९) अधिक होता है, जो शरीर में ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाता है। इसे खाने से अचानक से ऊर्जा में उतार–चढ़ाव होता है। मैदा छोड़ने पर आपका ब्लड शुगर स्तर स्थिर रहेगा।

फायदाः ज्यादा स्थिर ऊर्जा महसूस होगी, और थकान कम लगेगी।

मजबूत पाचन तंत्र

मैदा में फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन तंत्र में समस्या हो सकती है, जैसे कब्ज और गैस। इसे छोड़ने से आपका पाचन तंत्र बेहतर काम करेगा। मैदा की जगह साबुत गेंहू, बादाम का आटा, नारियल का आटा या मोटे अनाज के आटे से बनी रोटियों का सेवन करें।

फायदाः पेट हल्का महसूस होगा और कब्ज की समस्या में राहत मिल सकती है।

वजन कंट्रोल

मैदा में कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है, लेकिन पोषक तत्व कम होते हैं। आप मैदा की जगह मिलेट या मोटे अनाज का सेवन करेंगे तो इसमें फाइबर की उच्च मात्रा देर तक भूख नहीं लगने देगी, जिससे वजन कंट्रोल रहेगा।इसे छोड़ने से शरीर में कम अनावश्यक कैलोरी जाएगी, जिससे वजन घटने में मदद मिलेगी।

फायदाः वजन कम करने में मदद मिलेगी, खासकर पेट की चर्बी।

त्वचा चमकदार और स्वस्थ

मैदा का सेवन त्वचा के लिए हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह रक्त शर्करा को प्रभावित कर शरीर में सूजन और मुंहासों को बढ़ावा दे सकता है। इसे छोड़ने से त्वचा पर सुधार दिख सकता है।

फायदाः त्वचा साफ और चमकदार महसूस हो सकती है, मुंहासे कम हो सकते हैं।

सूजन और ब्लोटिंग ठीक होगी

मैदा, सूजन का कारण बन सकता है, जिससे शरीर में भारीपन और सूजन महसूस हो सकती है। इसे आहार से हटाने से शरीर की सूजन कम हो सकती है। इंफ्लामेशन यानी सेल्स में जब सूजन होती है तो फ्री रेडिकल्स बढ़ता और इससे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस भी बढ़ जाता है। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण मोटापा, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज सहित कई क्रोनिक बीमारियां होती है। मैदा नहीं खाएंगे तो इन क्रोनिक बीमारियों का खतरा कम हो जाएगा।

फायदाः शरीर में हल्कापन और आराम महसूस होगा।

एनर्जी बढ़ेगी

मैदा छोड़ने से शरीर में एनर्जी का स्तर बढ़ता है। मैदा शरीर में एनर्जी रिलीज को रोकता है। इसे हटाने पर आपका शरीर अधिक पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थों को ग्रहण करेगा, जिससे आपको अधिक स्थिर और स्फूर्तिवान महसूस होगा।

फायदाः मानसिक और शारीरिक ऊर्जा में वृद्धि होगी।

मूड में सुधार

ब्लड शुगर के उतार–चढ़ाव से मस्तिष्क पर प्रभाव पड़ता है, जिससे चिड़चिड़ापन या सुस्ती हो सकती है। मैदा छोड़ने से आपका मूड स्थिर और सकारात्मक हो सकता है।

फायदाः मूड बेहतर होगा और मानसिक स्पष्टता में सुधार होगा।

इम्यूनिटी बढ़ेगी

मैदा पोषक तत्वों से रहित होता है और ज्यादा खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। इसे छोड़ने से पोषण बेहतर होगा और आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूती मिलेगी आप जल्दी बीमार नहीं होंगे।

मैदे की जगह पर क्या खाएं?

मैदे की जगह पर आप साबुत गेहूं, बादाम का आटा, नारियल का आटा, ब्राउन राइस का आटा, मोटे अनाज के आटे से बनी रोटियां, ज्वार, मिलेट, बाजरा, रागी आदि खाएं।

नोटः 3 दिन में ही इन सुधारों को महसूस करना शुरू किया जा सकता है, लेकिन लंबे समय तक मैदा से परहेज करना आपके स्वास्थ्य को और भी अधिक लाभ पहुंचाएगा।

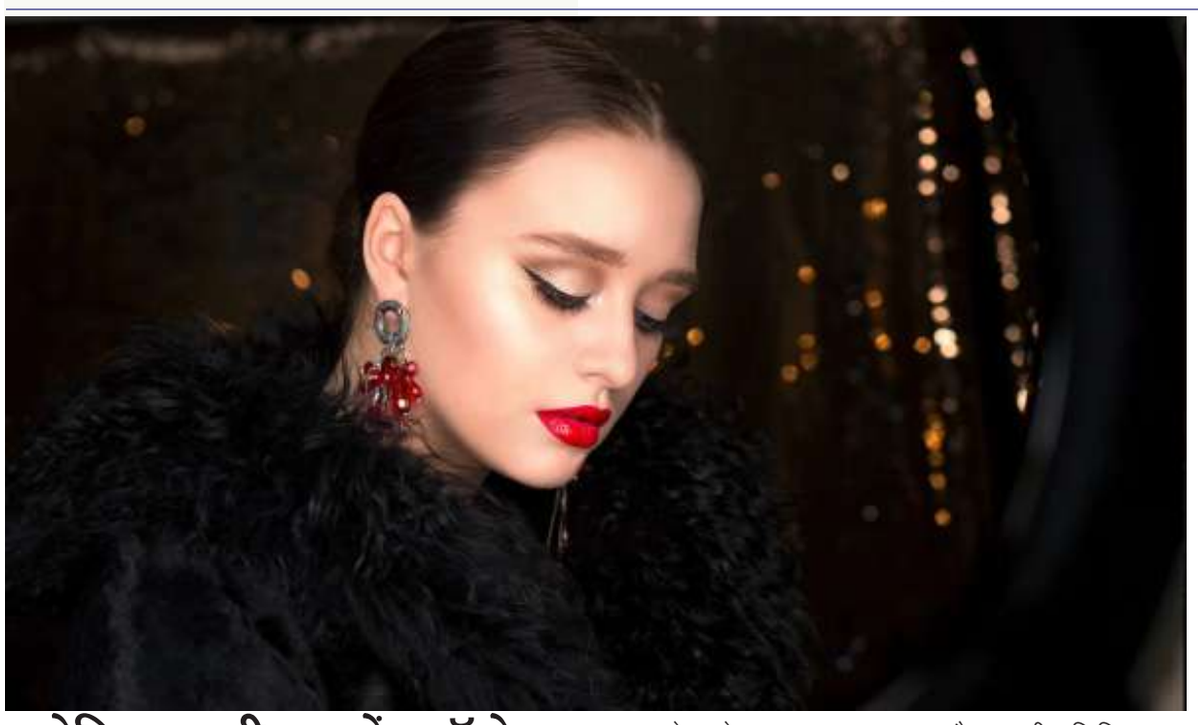

फेस्टिवल सीजन में फ्लॉलेस मेकअप लुक के लिए फॉलो करें ये टिप्स, आएगा नेचुरल निखार और दिखेंगी खूबसूरत

परफेक्ट मेकअप लुक एक सहज और बहतरीन फिनिश प्राप्त करता है जो आपके आत्मविश्वास और सुंदर महसूस कराता है। हालांकि, फ्लॉलेस मेकअप लुक पाना काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर यदि आप सही तकनीक नहीं जानते हैं या सही उत्पादों का उपयोग नहीं करते हैं। लेकिन अब चिंता मत करो! यहां आपके फ्लॉलेस मेकअप लुक को निखारने के लिए कुछ आसान टिप्स दिए गए हैं। वहीं महिलाएं मेकअप का चुनाव करते समय कपड़ो के साथ–साथ स्किन का विशेष ख्याल रखें।

फेयर स्किन के लिए मेकअप टिप्स

फेयर स्किन टोन वाली महिलाओं को वेज पिंक टिंट वाला फाउंडेशन सलेक्ट करना चाहिए। अगर आपका कॉम्प्लेक्शन यालोइश है तो आप वेज और ओरेंज अंडरटोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकते है। फेयर स्किन पर आइब्रो के लिए ब्लैक की जगह ब्राउन रंग की आइब्रो पेंसिल ज्यादा बेहतर है। ब्लैक आईलाइनर के साथ ब्राउन आईशैडो का इस्तेमाल करें। फेयर स्किन टोन वालों को गालों पर पिंक या रेज ब्लश का इस्तेमाल करना चाहिए। लाइट मेकअप पर पिंक या न्यूड लिपिस्टिक लगाएं।

डस्की स्किन के लिए मेकअप टिप्स

डस्की स्किन वाली लड़कियों को वर्म टोन वाला फाउंडेशन चूज करना चाहिए। कंसीलर के लिए केरेमल शेड ले सकती है, डार्क सर्कल छुपाने के लिए सही ढंग से कंसीलर का प्रयोग करें। फाउंडेशन को ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से ब्लेंड करें। डस्की स्किन वाले लोग आंखों के लिए ब्राइट कलर के आईशैडो का इस्तेमाल करें, इससे आपकी हाइलाइट अच्छे से होगी। डस्की स्किन के लिए रेड, कॉफी ब्राउन और मूव कलर की लिपिस्टिक बढ़िया लगेगी।

सांवली स्किन के लिए मेकअप टिप्स

सांवली स्किन टोन वाली महिलाओं को ब्राउनिश शेड का फाउंडेशन का उपयोग करना चाहिए। सावले रंग पर ब्राउन रंग का ब्लश खूबसूरत लगता है। इसके साथ ही आप हाइलाइटर पाउडर का इस्तेमाल करें। आई मेकअप के लिए लाइट कलर यूज करें। स्मोकी आई लुक के लिए आप ब्लैक आईलाइनर को स्मज करके लगाएं और फिर हल्के ब्राउन रंग का आईशैडो लगाएं। सांवले रंग पर लिपिस्टिक के न्यूड शेड्स काफी परफेक्ट लगते हैं।

संक्षिप्त

डीजीसीए ने बोइंग-737 विमानों वाली एयरलाइंस को दिशा नियंत्रण प्रणाली पर सलाह जारी की

नयी दिल्ली। विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने अपने बेड़े में बोइंग–737 विमानों का इस्तेमाल करने वाली भारतीय एयरलाइंस को दिशा नियंत्रण प्रणाली (रडर) के जाम होने के संभावित जोखिम के बारे में सोमवार को सलाह जारी की। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) की हालिया जांच रिपोर्ट के बाद उठाया गया है। उस रिपोर्ट में कोलिंस एयरोस्पेस एसवीओ–730 दिशा नियंत्रण प्रणाली से लैस बोइंग–737 विमानों से जुड़ी सुरक्षा चिंताएं जताई गई हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रडर नियंत्रण प्रणाली के जाम होने के संभावित जोखिम को देखते हुए घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए सुरक्षा सिफारिशें जारी की हैं। इस समय बोइंग–737 विमानों का इस्तेमाल एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्पाइसजेट एयरलाइन कर रही हैं। डीजीसीए ने कहा कि सभी उड़ान कर्मचारियों को दिशा नियंत्रण प्रणाली के जाम या प्रतिबंधित होने की आशंका को लेकर एक परिपत्र/सलाह जारी की जानी चाहिए। विमानन नियामक ने कहा, ''चालक दल के सदस्यों को ऐसी स्थिति की पहचान करने और उसे संभालने में मदद करने के लिए उचित कदम के बारे में बताया जाना चाहिए।'' इसके अलावा सभी एयरलाइंस को दिशा नियंत्रण प्रणाली से जुड़े जोखिम का मूल्यांकन करने और उसे कम करने के लिए विमान के लिए सुरक्षा जोखिम मूल्यांकन करने को कहा गया है। डीजीसीए ने कहा, ''विमानन कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे रडर प्रणाली जाम होने या बाधित होने से जुड़े हालात से निपटने की गतिविधि को भी अपने प्रशिक्षण और दक्षता जांच के दौरान शामिल करें।'' नियामक ने कहा कि अंतरिम उपायों का उद्देश्य हवाई यात्रा सुरक्षा को बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना है कि उड़ान चालक दल दिशा नियंत्रण से जुड़े मुद्दों के प्रभावी निपटान के लिए अच्छी तरह तैयार हैं।

देश में सुस्त मांग के कारण सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री में गिरावट : उद्योग संगठन फाडा

नयी दिल्ली। देश में सुस्त मांग के कारण सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की गिरावट आई है। उद्योग संगठन फाडा ने यह जानकारी दी। सितंबर में कुल पंजीकरण घटकर 17,23,330 इकाई रह गया, जो पिछले साल इसी महीने 18,99,192 इकाई था। यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों सहित अधिकतर श्रेणियों में सालाना आधार पर गिरावट देखी गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, '' गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे त्यौहारों के बावजूद डीलरों ने बताया कि प्रदर्शन काफी हद तक स्थिर रहा है।'' उन्होंने कहा कि आने वाले बड़े त्यौहारों के मद्देनजर फाडा ने ओईएम (मूल उपकरण विनिर्माताओं) से वित्तीय झटके से बचने के लिए तत्काल सुधारात्मक उपाय करने का आग्रह भी किया है। यात्री वाहनों की बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 2,75,681 इकाई रह गई, जो एक वर्ष पूर्व इसी महीने 3,39,543 इकाई थी। विग्नेश्वर ने कहा, '' श्राद्ध और पितृपक्ष के साथ–साथ भारी वर्षा तथा सुस्त अर्थव्यवस्था ने स्थिति को और खराब कर दिया है....'' वहीं वाणिज्यिक वाहनों का पंजीकरण पिछले वित्त वर्ष 2023–24 की पहली छमाही के 4,80,488 इकाई से मामूली रूप से घटकर चालू वित्त वर्ष 2024–25 में 4,77,381 इकाई रह गया। उद्योग संगठन फाडा ने आंकड़े देश भर के 1,429 आरटीओ में से 1,365 से एकत्रित किए हैं।

फेस्टिव सीजन से पहले और भी महंगा हुआ टमाटर, सेंचुरी के भी पार हुए रेट

देश भर में इन दिनों त्योहारों का मौसम चल रहा है। नवरात्र के बाद भी लगातार अलग अलग त्योहार देश में मनाए जाएंगे। वहीं इन दिनो त्योहारों के बीच ही टमाटर की कीमतें भी आसमान छू रही है। अब हालात ये हैं कि टमाटर की कीमत इतनी अधिक हो चुकी है कि लोग टमाटर खरीदने से पहले सोच रहे है। आमतौर पर सभी सब्जियों में इस्तेमाल होने वाला

टमाटर अब काफी महंगा हो चुका है। यहां तक कि सेहतमंद माना जाने वाले सेब से भी अधिक महंगा टमाटर हो गया है। टमाटर की कीमत लेने से पहले आम व्यक्ति काफी सोच विचार कर रहा है। इन दिनों बाजार में टमाटर की कीमत आसमान छूने लगी है। बाजार में इन दिनों सेब 50 से 80 रुपये किलो से बढ़कर लगभर 100 रुपये से 120 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। बाजार में इन दिनों आलू 30 से 40 रुपये प्रति किलो, शिमला मिर्च 160 रुपये प्रति किलो और फूल गोभी भी 120 रुपये प्रति किलो बिक रही है। इन दिनों बाजार में सबसे महंगा टमाटर बिक रहा है। थोक मंडियों में टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलो हो गई है। वहीं सेब की बात करें तो सेब 50 से 70 रुपये प्रति किलो बाजार में बिक रहा है। दिल्ली की गाजीपुर, ओखला, आजादपुर मंडी में टमाटर की कीमत लगातार ऊंचाई छू रही है। टमाटर की सप्लाई कम होने के कारण इसके दाम लगातार बढ़े हुए है। मंडी में विक्रेताओं ने मीडिया को बताया कि इस समय टमाटर की सप्लाई पीछे से ही काफी कम हो रही है। त्योहार के सीजन में टमाटर की मांग काफी अधिक हो गई है। इस कारण टमाटर की कीमत बढ़ गई है। वहीं टमाटर की खेप के लिए लगभग 15 से 20 दिनों का इंतजार भी करना पड़ रहा है।

मयंक और नीतीश ने कहा, शांतचित्त कप्तान हैं सूर्यकुमार, जो खिलाड़ियों को पूरी आजादी देते हैं

मयंक यादव और नितीश कुमार रेड्डी बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के लिए पदार्पण करने से पहले थोड़ा नर्वस थे लेकिन उन्होंने कहा कि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने लगातार उनका हौसला बढ़ाया। मयंक और नीतीश दोनों 21 साल के हैं और उन्होंने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने कौशल का प्रभाव छोड़ा।

ग्वालियर । मयंक यादव और नितीश कुमार रेड्डी बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के लिए पदार्पण करने से पहले थोड़ा नर्वस थे लेकिन उन्होंने कहा कि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने लगातार उनका हौसला बढ़ाया जिससे उन्हें शांत बने रहने में मदद मिली। मयंक और नीतीश दोनों 21 साल के हैं और उन्होंने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने कौशल का प्रभाव छोड़ा। तेज गेंदबाज मयंक ने इस साल आईपीएल में अपनी रफ्तार से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा था लेकिन पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह इस टूर्नामेंट में केवल चार मैच ही खेल पाए थे। उन्होंने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में चार ओवर में 21 रन देकर एक विकेट लिया। नितीश ने भी 15 गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाकर अपना प्रभाव छोड़ा। भारत ने यह मैच सात विकेट से जीता। मयंक ने बीसीसीआई टीवी से कहा,,''वह (सूर्यकुमार) आपको पूरी आजादी देते हैं। जब मैं रन अप पर जा रहा था तो उन्होंने मुझसे कहा कि वही करो जो तुम्हें अच्छा लगता है। यह किसी भी तेज गेंदबाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है विशेषकर तब जबकि आप आप अपना पहला मैच खेल रहे हों।'' नितीश ने भी सूर्यकुमार की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा,''वह बहुत शांतचित्त कप्तान हैं। वह बहुत अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने हम पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं बनने दिया। हम अपना पहला मैच खेल रहे थे और थोड़ा नर्वस थे लेकिन उन्होंने हमें खुलकर खेलने की छूट दी। कोई भी खिलाड़ी अपने कप्तान से यही चाहता है।'' मयंक चार महीने तक बाहर रहने के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने से पहले भावुक हो गए थे। उन्होंने कहा,'' यह मेरे लिए यादगार पल था। जब मुझे पता चला कि मैं पदार्पण करने जा रहा हूं तो पिछले चार महीनों का पूरा परिदृश्य मेरी आंखों के सामने आ गया।'' इस तेज गेंदबाज ने मेडन ओवर के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की और अपनी गेंदबाजी में सुधार करने का श्रेय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल को दिया। मयंक ने कहा, ''मैं ऐसा नहीं सोच रहा था कि मैं पहला ओवर डालूंगा। बस उस पल को जीना चाहता था, उस पल का आनंद लेना चाहता था। मैं पिछले तीन वर्षों से उनके (मोर्कल) साथ हूं। मैं उन्हें जानता हूं और वह मुझे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। इसलिए, मेरे लिए उनके साथ काम करना बहुत आसान है। वह जानते हैं कि मेरे लिए क्या बेहतर है।'' नीतीश ने कहा कि भारत की तरफ से खेलना सपना सच होने जैसा है। उन्होंने कहा,''किसी भी क्रिकेटर के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण पल होता है। भारत के लिए खेलने सपना सच होने जैसा है। मैंने इसका पूरा आनंद लिया। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए भी बहुत गर्व का क्षण था।

शेफाली ने कहा- 'पहले से बेहतर हो गई है श्रीलंका की टीम', 13 अक्टूबर को टकराएंगी दोनों टीमें

शेफाली वर्मा का मानना है कि श्रीलंका की टीम पहले से बेहतर हो गई है और उसे किसी भी तरह से हल्के से नहीं लिया जा सकता क्योंकि वह अब केवल चमारी अटापट्टू पर ही निर्भर नहीं है। भारत को महिला टी20 विश्व कप के अपने अगले मैच में बुधवार को श्रीलंका का सामना करना है जिसने उसे एशिया कप के फाइनल में हराया था। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का मानना है कि श्रीलंका की टीम पहले से बेहतर हो गई है और उसे किसी भी तरह से हल्के से नहीं लिया जा सकता क्योंकि वह अब केवल चमारी अटापट्टू पर ही निर्भर नहीं है। भारत को महिला टी20 विश्व कप के अपने अगले मैच में बुधवार को श्रीलंका का सामना करना है जिसने उसे एशिया कप के फाइनल में हराया था। भारतीय टीम को इसके बाद 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। शेफाली ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत में 32 रन का योगदान देने के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा,''इससे पहले उनकी तरफ से चमारी ही अधिक रन बनाती थी और विकेट लेती थी लेकिन एशिया कप में उनकी पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। उनकी टीम में काफी सुधार हुआ है और इसलिए वह एशिया कप जीतने में सफल रही।'' भारतीय टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच काफी महत्वपूर्ण है जिसमें टीम को छोटी–छोटी गलतियों को करने से भी बचना होगा। मंधाना ने कहा,''एक खिलाड़ी के लिए प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण होता है। जब आप विश्व कप में खेल रहे हों तो आपको अपना शत प्रतिशत देना होता है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ आप गलतियां नहीं कर सकते हैं। उसे हराने के लिए आपको उस दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।'' तेज गेंदबाज रेणुका सिंह का लक्ष्य श्रीलंका की कप्तान को सस्ते में आउट करना है। रेणुका ने कहा,'' चमारी अटापट्टू बेहद दिलचस्प खिलाड़ी है। वह श्रीलंका की टीम में एकमात्र ऐसी खिलाड़ी है जो अपने दम

पर मैच का पासा पलट सकती है। मैं जितना जल्दी संभव हो सके उसका विकेट लेने की कोशिश करूंगी क्योंकि वह अगर जम गई तो फिर मैच अपने पक्ष में कर सकती है। इसलिए मैंने उसे आउट करने के लिए रणनीति बनाई है।

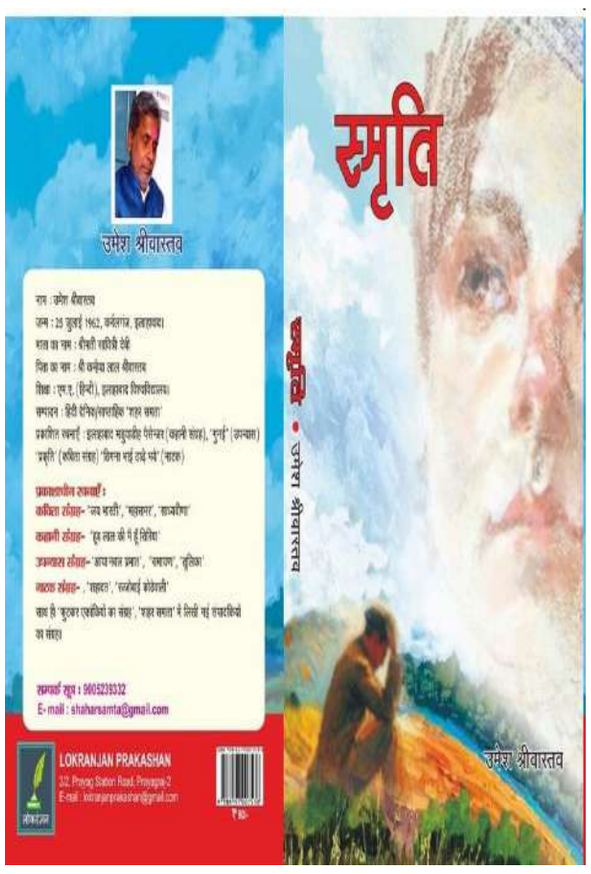

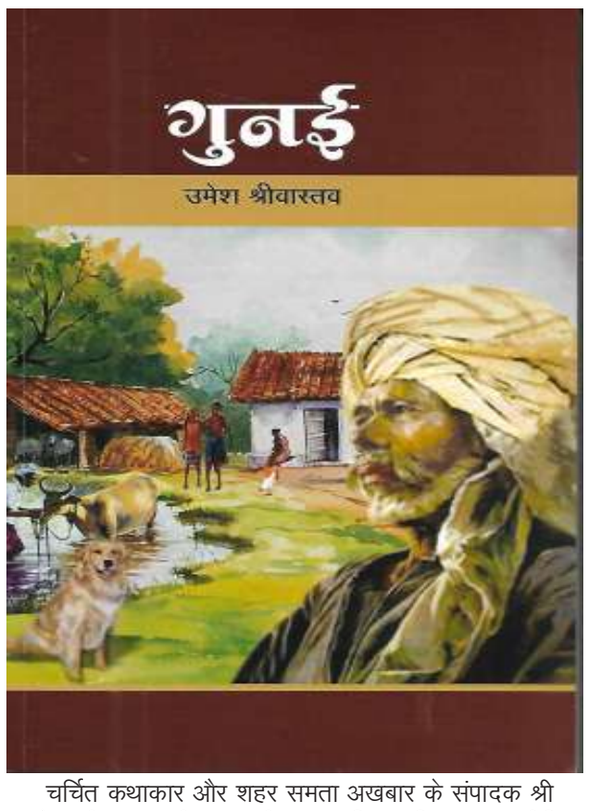

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

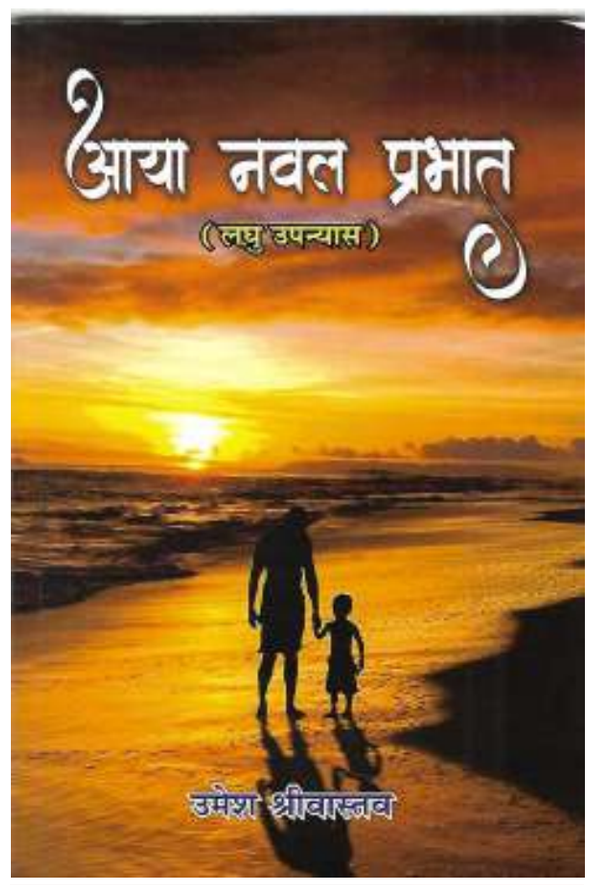

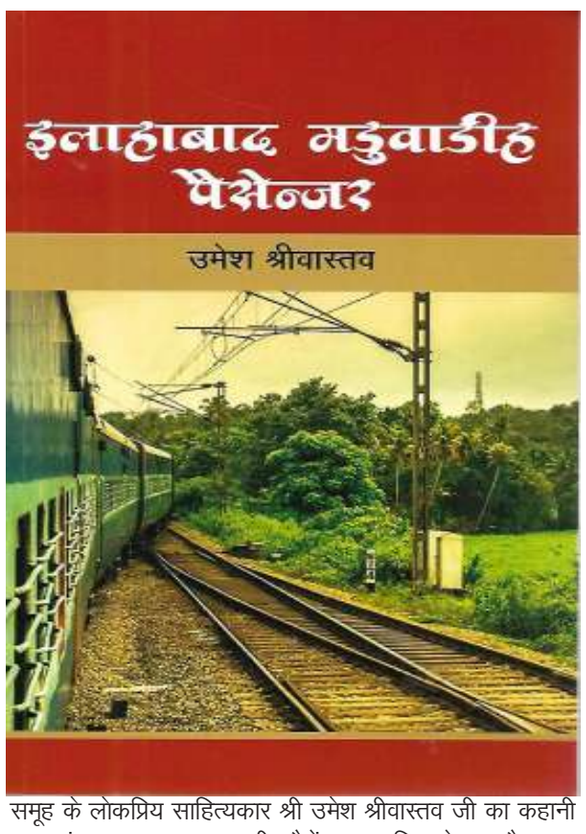

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

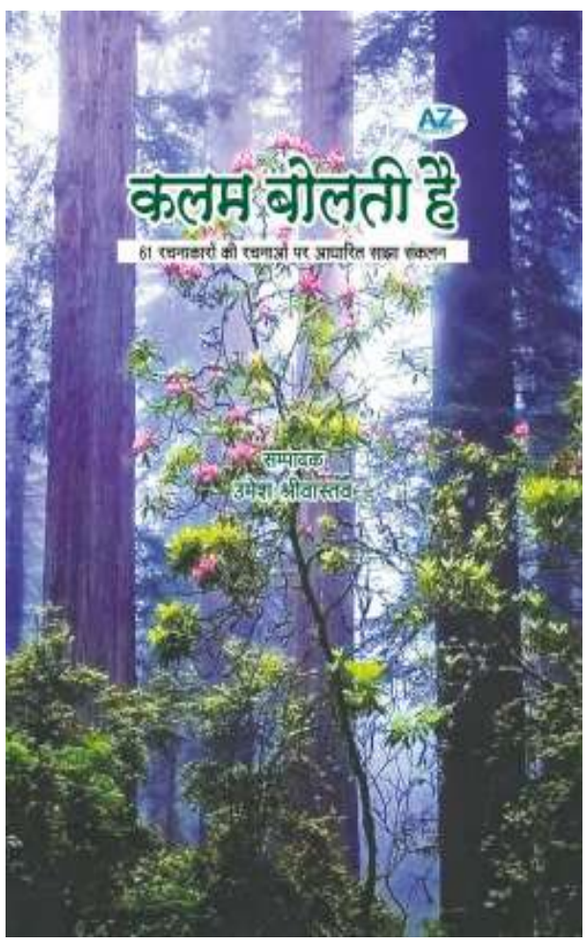

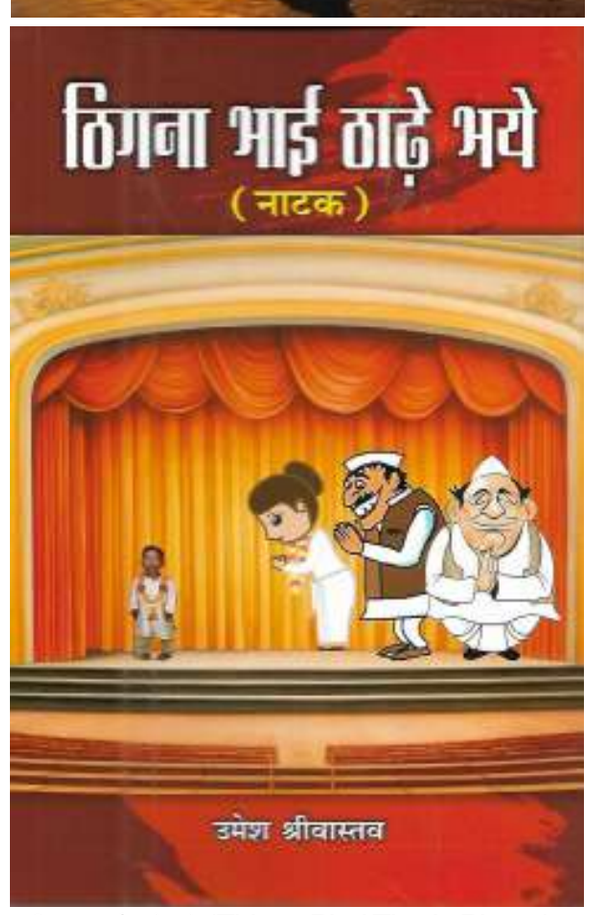

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान में अपने परिवार के 13 सदस्यों की हत्या करने के आरोप में लड़की गिरफ्तार

अपने परिवार के 13 सदस्यों की हत्या करने के आरोप में पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक लड़की को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़की के परिजन उसकी पसंद के अनुसार उसकी शादी करने के लिए तैयार नहीं थे। पुलिस ने बताया कि ये मौतें 19 अगस्त को खैरपुर के निकट हैबत खान ब्रोही गांव में हुईं थी। इसने बताया कि लड़की उस समय नाराज हो गई जब उसके परिवार ने उसे उसकी पसंद के लड़के से शादी करने की अनुमति नहीं दी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने माता–पिता समेत परिवार के सदस्यों को जहर देने की साजिश रची। खैरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इनायत शाह ने कहा, ''खाना खाने के बाद सभी 13 सदस्य बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां सभी की मौत हो गई। जब पोस्टमॉर्टम हुआ तो सामने आया कि इन लोगों की मौत जहरीले खाने से हुई है।'' उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने गहनता से जांच की तो पता चला कि बेटी और उसके प्रेमी ने घर में रोटी बनाने वाले गेहूं में जहर मिला दिया था। शाह ने कहा, ''लड़की गुस्से में थी क्योंकि उसका परिवार उसकी पसंद के लड़के से उसकी शादी करने के लिए तैयार नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''लड़की ने अपने प्रेमी की मदद से गेहूं में जहर मिलाने की बात स्वीकार की है।

फ्लोरिडा के टाम्पा खाड़ी क्षेत्र की ओर बढ़ने के साथ और मजबूत हुआ तूफान 'मिल्टन'

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा में स्थित टाम्पा खाड़ी क्षेत्र की ओर बढ़ने के साथ तूफान 'मिल्टन' रविवार को और मजबूत हो गया। तूफान के मद्देनजर फ्लोरिडा में प्रशासन ने तटवर्ती क्षेत्रों को खाली करने के आदेश जारी किए हैं, जो अब भी 'हेलेन' तूफान के बाद उसके प्रभाव से जूझ रहे हैं। मौसम विज्ञान अधिकारियों ने कहा कि तूफान के पूर्वानुमान मॉडल में काफी भिन्नता है, लेकिन इसके सबसे संभावित मार्ग यह दर्शाते हैं कि 'मिल्टन' बुधवार को टाम्पा खाड़ी क्षेत्र में दस्तक दे सकता है और यह मध्य फ्लोरिडा से अटलांटिक महासागर में आगे बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि हालांकि दक्षिण–पूर्व के उन अन्य राज्यों के 'मिल्टन' के प्रकोप से बचे रहने की संभावना है, जहां 'हेलेन' तूफान ने तबाही मचाई थी। 'हेलेन' ने फ्लोरिडा से लेकर अप्पलाचियन पर्वतीय क्षेत्रों तक विनाशकारी क्षति पहुंचाई। इस तूफान के कारण मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 130 हो गई थी। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस ने रविवार को कहा कि यह देखना बाकी है कि 'मिल्टन' कहां दस्तक देगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि फ्लोरिडा पर इसका बहुत बुरा असर पड़ने वाला है। नेशनल हरिकेन सेंटर' ने कहा कि रविवार दोपहर को तूफान 'मिल्टन' का केंद्र टाम्पा से लगभग 1,310 किलोमीटर पश्चिम–दक्षिणपश्चिम में था और अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से निरंतर तेज हवाएं चल रही थीं। गवर्नर ने कहा, ''आपके पास तैयारी के लिए एक दिन का समय है। मंगलवार तक आप तूफान से बचाव की अपनी तैयारी पूरी रखें। अगर आप फ्लोरिडा के पश्चिमी तटीय इलाकों, 'बैरियर' द्वीप के पास के इलाकों में रहते हैं तो आपको ये जगह खाली कर देनी चाहिए।'' कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी के तूफान वैज्ञानिक फिल क्लॉटजबैक ने कहा कि 'मिल्टन' को तूफान का दर्जा मिलने के साथ ही यह पहली बार है कि सितंबर के बाद अटलांटिक में एक साथ तीन तूफान आए हैं। अगस्त और सितंबर में एक साथ चार तूफान आए हैं।

अब डेमोक्रेट नेता टिम वाल्ज ने इस्राइल का किया समर्थन, युद्ध तेज होने पर आत्मरक्षा के अधिकार की कही बात

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज ने एक इंटरव्यू में इस्राइल के आत्मरक्षा के अधिकार के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया हैं। बता दें कि आज इस्राइल पर हमास के हमले की पहली बरसी है, आज के ही दिन इस्राइल में भीषण नरसंहार हुआ था। डेमोक्रेटिक नेता टिम वाल्ज की राय इसलिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका बयान, एक साल पहले 7 अक्टूबर को, इस्राइल में हुए नरसंहार की पहली बरसी से ठीक एक दिन पहले आई है। इस साल नवंबर की शुरुआत में होने वाले अमेरिकी आम चुनावों से पहले इंटरव्यू देते हुए, टिम वाल्ज ने इस्राइली बंधकों को रिहा करने और गाजा में मानवीय संकट को समाप्त करने का आह्वान किया, लेकिन उन्होंने कहा कि ईरान इसके केंद्र में है, उन्होंने उनके प्रॉक्सी को पूरे क्षेत्र में व्यवधान लाने वाला भी बताया हैं। अल जजीरा के अनुसार, टिम वाल्ज ने इस्राइल–हमास संघर्ष के प्रति अधिक समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाया है।

इस्राइल को खुद का बचाव करने का अधिकार

इस साल की शुरुआत में मार्च में, उन्होंने मिनेसोटा पब्लिक रेडियो से कहा, इस्राइल को खुद का बचाव करने का अधिकार है, और 7 अक्टूबर की क्रूरता अस्वीकार्य है, लेकिन फलस्तीन के नागरिकों को इसमें फंसाया जाना बंद होना चाहिए। वहीं उपराष्ट्रपति की बहस के दौरान भी, यह देखा गया था। वाल्ज़ ने कहा, इस्राइल की खुद का बचाव करने की क्षमता बिल्कुल मौलिक है, और गाजा में मानवीय संकट को समाप्त करना है।ृ टिम वाल्ज की राय इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक अमेरिकी सेना में सेवा की है।

इस्राइल में अमेरिका की भूमिका पर उनके विचार, जैसा कि वे कहते हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए वहां स्थिर नेतृत्व की एक पूर्ण, मौलिक आवश्यकता है। उन्होंने व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के साथ डोनाल्ड ट्रंप के संबंधों को गर्म करने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है, उन्होंने कहा कि इससे गठबंधन को एक साथ रखने में अस्थिरता आती है। अपने साक्षात्कार में, उन्होंने कहा, हमने हमेशा कहा है कि हम क्षेत्र में अपने सहयोगियों, अमेरिकी सैनिकों की रक्षा करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं,

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

. 919450482227

गाजा में हमले की बरसी पर शोक मनाते समय फलस्तीनी उग्रवादियों ने इजराइल पर दागे रॉकेट

यरुशलम। गाजा में हमले की बरसी पर शोक मनाए जाने के दौरान फलस्तीनी उग्रवादियों ने इजराइल पर चार रॉकेट दाग दिए। हालांकि, शोक समारोह में कोई बाधा नहीं पहुंची। हमास ने यह भी कहा कि उसने गाजा के विभिन्न हिस्सों में इजराइली सेना पर हमला किया। इजराइली सेना ने कहा कि हमले में दागे गए तीन रॉकेटों को रोक दिया गया और चौथा रॉकेट खुले, खाली क्षेत्र में गिरा। किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। सेना ने कहा कि उसने आसन्न हमले को विफल करने के लिए पूरी रात भर और सोमवार को भी हवाई हमले किए। सेना ने कहा कि उसने हमास की प्रक्षेपण चौकियों और भूमिगत उग्रवादी ढांचे को निशाना बनाया। स्थानीय चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, बरसी पर युद्ध ने विनाशकारी इजराइली हमले के सामने उग्रवादियों की दृढ़ता को रेखांकित किया है जिसमें अब तक लगभग 42 हजार फलस्तीनी मारे गए हैं। इसने गाजा के बड़े क्षेत्रों को भी नष्ट कर दिया है और इसकी लगभग 90 प्रतिशत आबादी को विस्थापित किया गया है। हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने एक वर्ष पहले इजराइल की सुरक्षा को धता बताते हुए पास के सैन्य ठिकानों तथा काश्तकारों पर अचानक हमला कर दिया था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। तब उग्रवादियों ने 250 अन्य का अपहरण कर लिया गया था। उन्होंने अब भी गाजा में करीब 100 लोगों को बंधक बनाया हुआ है, जिनमें से एक तिहाई लोगों के मारे जाने का अनुमान है। इजराइल अब गाजा में हमास और लेबनान में उसके सहयोगी हिजबुल्ला के साथ युद्ध कर रहा है। पिछले सप्ताह इजराइल पर हुए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में उसने ईरान पर हमला करने का भी संकल्प जताया है। रिम (इजराइल) में नोवा संगीत समारोह में पिछले साल हुए हमास हमले में मारे गए लोगों के सैकड़ों परिवार और मित्र सोमवार को हमला स्थल पर एकत्रित हुए। यहां सात अक्टूबर को हमास के हमले के दौरान लगभग 400 लोग मारे गए थे। परिजन अपने प्रियजनों की तस्वीरों ले कर आए थे। कई लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर अपनों को श्रद्धांजलि दी। इस स्थल के ऊपर सेना के हेलीकॉप्टर चक्कर लगा रहे थे और पूरे क्षेत्र में लगातार धमाके गूंज रहे थे, जिससे कई लोग घबरा गए। हमले में मरने वाले यार्डेन (25) के पिता शिमोन बुसिका ने कहा, ''हम बता नहीं सकते कि हमने एक साल कैसे बिताया है।

पाकिस्तान में चीनी नागरिक को बम से उड़ा दिया, एससीओ बैठक से पहले सुरक्षा को लेकर उठने लगे सवाल

हमला पाकिस्तान के कराची में हुआ, लेकिन इसकी गूंज ने जिनपिंग को भी हिला डासा। पाकिस्तान के दोस्त चीन ने उसकी मदद के लिए पाकिस्तान में अपने वर्कर्स भेज रखे हैं। लेकिन पाकिस्तान को दोस्त बनाना कैसे भारी पड़ सकता है। ये बार बार जिनपिंग को पता चल रहा है। पाकिस्तान भले ही चीनी नागरिकों को बड़ी सुरक्षा देने की बात करता रहा हो। लेकिन तब भी इसकी हकीकत कराची हमले से साफ हो गई है। पाकिस्तान के कराची में जिन्ना इंटरनेशनल हवाई अड्डे के पास देर रात एक बड़ा विस्फोट हुआ। इस धमाके में तीन विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। वहीं 17 से अधिक लोग घायल भी हो गए हैं। बताया ये जा रहा है कि मारे गए लोगों में दो चीनी नागरिक हैं। हमला स्थानीय समय के मुताबिक रात 11 बजे हुआ और एयरपोर्ट के बाहर एक टैंकर में विस्फोट हुआ है। विस्फोट को लेकर कहा जा रहा है कि सिंध प्रांत के बिजली परियोजना में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले को निशाना बनाया गया। दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची में हवाई अड्डे के बाहर यह हमला बलोच लिबरेशन आर्मी ने किया। वही बीएलए जो बार बार पाकिस्तान में मौजूद चीनी नागरिकों को निशाना बनाता रहा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान को एक सप्ताह बाद शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करनी है। शंघाई सहयोग संगठन एक सुरक्षा समूह है जिसकी स्थापना चीन और रूस ने पश्चिमी गठबंधनों का मुकाबला करने के लिए की थी। एससीओ बैठक से पहले हुए इस हमले के बाद सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। फिदायीन आफताब की तस्वीर भी जारी कर दी गई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बम विस्फोट की निंदा करते हुए कहा कि ये कराची हवाई अड्डे के पास किया गया एक जघन्य आतंकवादी हमला था। उसने बताया कि इस हमले में एक चीनी नागरिक घायल भी हुआ है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम चीनी और पाकिस्तानी पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

7 अक्तूबर 2023 को कैसे शुरु हुआ इस्राइल–हमास युद्ध

एक साल से चल रही जंग में क्या-क्या हुआ?

हमास–इस्राइल युद्ध के एक साल पूरे हो गए हैं। पिछले साल 7 अक्तूबर को हमास ने इस्राइल की सीमा में घुसकर घातक हमला किया था। हमले में 1200 इस्राइली नागरिकों की हत्या कर दी गई थी और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर लगातार जवाबी कार्रवाई की है। अब तक इस युद्ध में 1200 इस्राइली नागरिकों के अलावा हजारों हमास व अन्य सशस्त्र संगठनों के लड़ाके, 42 हजार से ज्यादा फलस्तीनी नागरिक और सैकड़ों इस्राइली सैनिक मारे जा चुके हैं। आइये जानते हैं एक साल पहले इस्राइल में क्या हुआ था? इस्राइल–हमास युद्ध में अब तक क्या हुआ? दोनों पक्षों को कितना नुकसान हुआ है? युद्ध में कितने हथियारों का इस्तेमाल हुआ है? बंधक बनाए लोगों का क्या हुआ?

पहले जानते हैं इस्राइल–हमास के बीच युद्ध कब और कैसे शुरू हुआ था?

हमास ने 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल की अभेद्य मानी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ते हुए इसके इलाकों में हमला किया था। इस हमले में 1200 से ज्यादा इस्राइलियों की मौत हो गई थी। इस दौरान हमास लड़ाके करीब 250 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। 7 अक्तूबर के हमले के बाद इस्राइल ने हमास को जड़ से मिटाने का संकल्प लिया था। इसके लिए इस्राइली सेना ने गाजा में हवाई और जमीनी हमले शुरू कर किए। इस तरह से हमास और इस्राइल के बीच बीते एक साल से खूनी जंग जारी है। कई बार दोनों पक्षों में युद्धविराम को लेकर कोशिशें भी हुईं जो अंत में बेनतीजा साबित हुईं।

हमास–इस्राइल युद्ध में अब तक क्या हुआ?

इस्राइल–हमास के बीच जारी युद्ध को एक साल होने पर इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक डेटा प्रकाशित किया है। इसमें इस्राइली सेना ने गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और लेबनान में अपने अभियानों की जानकारी, मारे गए हमास लड़ाकों की संख्या और हमले की जगहों की संख्या का जिक्र किया है। इस्राइल ने गाजा पट्टी में पिछले वर्ष 40,000 से अधिक ठिकानों पर बमबारी की। इसने 4,700 सुरंगों का पता लगाया और 1,000 रॉकेट लांचर स्थलों को नष्ट किया। युद्ध की शुरुआत से लेकर अब तक गाजा से इस्राइल में 13,200 रॉकेट दागे गए हैं। इस्राइली सेना ने बताया कि लेबनान से 12,400 रॉकेट दागे गए, जबकि सीरिया से 60, यमन से 180 और ईरान से 400 रॉकेट दागे गए। आईडीएफ ने कहा कि उसने लेबनान में 800 से ज्यादा लड़ाकों को मार गिराया है। जहां 4,900 ठिकानों पर हवाई हमले किए गए हैं तो वहीं लगभग 6,000 जमीनी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। पिछले एक साल में इस्राइल ने वेस्ट बैंक और जॉर्डन घाटी में 5,000 से ज्यादा संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। सेना ने यह भी बताया कहा कि उसने पिछले वर्ष गाजा के आठ लड़ाकू ब्रिगेड कमांडरों, लगभग 30 बटालियन कमांडरों और 165 कंपनी कमांडरों को मार गिराया।

42,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए

हमास नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि गाजा में 42,000 फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। गाजा में मारे गए लोगों में आम नागरिक और हमास के सदस्य दोनों शामिल हैं। रॉकेट मिसफायर के चलते भी हमास के कई सदस्यों की मौत हुई है।

इस्राइल को नुकसान

गाजा में युद्ध तब शुरू हुआ जब फलस्तीनी हमास के लड़ाकों ने 7 अक्तूबर 2023 को दक्षिणी इस्राइल पर हमला किया। हमले के दौरान 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया गया। इस्राइली सेना के आंकड़ों के अनुसार, हमास के कब्जे में अभी भी 100 से अधिक बंधक हैं। इस्राइली सेना ने कहा कि 7 अक्तूबर 2023 से अब तक 726 इस्राइली सैनिक मारे गए हैं। इनमें से 380 सैनिक 7 अक्तूबर के हमलों में मारे गए और 346 सैनिक 27 अक्तूबर 2023 से गाजा में शुरू हुई लड़ाई में मारे गए। अब तक घायल सैनिकों की संख्या 4,576 हो गई है। 56 सैनिक ऑपरेशन के दौरान हुईं दुर्घटनाओं के कारण मारे गए। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने युद्ध शुरू होने के बाद से 300,000 आरक्षित सैनिकों को भर्ती किया है। इनमें 82% पुरुष और 18% महिलाएं हैं और उनमें से लगभग आधे 20 से 29 वर्ष की आयु के हैं।

युद्ध के दौरान हमास और हिजबुल्ला के प्रमुख की मौत

गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद ईरान समर्थक सशस्त्र समूह भी इस्राइल से भिड़ गए। इसमें लेबनान का हिजबुल्ला, यमन का हूती और फलीस्तीन का इस्लामिक जिहाद संगठन शामिल था। इसी संघर्ष के बीच 31 जुलाई 2024 को हमास प्रमुख इस्माइल हनिया ईरान की राजधानी तेहरान में एक विस्फोट में मारा गया। हानिया ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए तेहरान गया हुआ था। इस हमले के लिए हमास ने इस्राइल को दोषी ठहराया है, लेकिन उसने न तो इसमें शामिल होने की पुष्टि की है और न ही इनकार किया है। 28 सितंबर 2024 को उस इस्राइल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर व्यापक हमला किया, जिसमें कम से कम छह रिहायशी इमारतें नष्ट हो गईं और राजधानी में दहशत फैल गई। इस हमले में तीन दशकों से अधिक समय तक हिजबुल्ला का नेतृत्व करने वाला हसन नसरल्ला भी मारा गया। अगले दिन हिजबुल्ला ने उसकी मौत की पुष्टि की।

मोदी–मुइज्जू की बैठक से बदलेंगे रिश्ते, भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा पर मालदीव के राष्ट्रपति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने हैदराबाद हाउस में बैठक की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का स्वागत किया। दोनों नेता यहां बैठक कर रहे हैं। पिछले साल मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच मालदीव के रूख में इन दिनों काफी बदलाव आया है। अपनी मुलाकात के दौरान मुइज्जू और पीएम मोदी के बीच पारस्परिक हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद है। मुइज्जू अपनी पांच दिवसीय भारत यात्रा के दौरान वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के साथ भी बैठक करेंगे। पिछले साल भारत के समर्थक इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हराकर चीन समर्थक मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से भारत और मालदीव के बीच तनाव बढ़ गया है। 2023 के चुनावों का नेतृत्व करते हुए, मुइज्जू ने मानवीय सहायता में मदद के लिए मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों को निष्कासित करने का वादा किया था। मई में नई दिल्ली ने इनमें से दर्जनों सैनिकों को नागरिक विशेषज्ञों से बदल दिया। जनवरी में भी संबंध तनावपूर्ण हो गए थे जब मालदीव के कुछ नेताओं ने भारतीय यात्रियों के लिए भारत के लक्षद्वीप द्वीपसमूह को बढ़ावा देने के लिए मोदी पर हमला बोला था। लक्षद्वीप भारतीय मुख्य भूमि के दक्षिण–पश्चिमी तट से दूर है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। मालदीव के राष्ट्रपति अपनी पत्नी साजिदा मोहम्मद और अपने देश के प्रतिनिधिमंडल के साथ रविवार शाम को भारत पहुंचे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे। बाद में मुइज्जू ने यहां राजघाट स्थित महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मालदीव में RuPay कार्ड से भुगतान की हुई शुरुआत, मोइज्जू ने पीएम मोदी को दिया माले आने का न्यौता

मालदीव में RuPay कार्ड से भुगतान की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू इस तरह के पहले लेनदेन के गवाह बने। मोइज्जू ने पीएम मोदी को मालदीव आने का निमंत्रण भी दिया। मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि हम (भारत–मालदीव) एक व्यापक विजन दस्तावेज पर सहमत हुए हैं, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेगा। व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के विजन में विकास सहयोग, व्यापार और आर्थिक भागीदारी, डिजिटल और वित्तीय पहल, ऊर्जा परियोजनाएं, स्वास्थ्य सहयोग के साथ–साथ समुद्री और सुरक्षा सहयोग शामिल हैं। मैं 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय मुद्रा विनिमय समझौते के अलावा 30 बिलियन भारतीय रुपये के रूप में सहायता प्रदान करने के भारत सरकार के फैसले के लिए आभारी हूं, जो इस समय हमारे सामने आ रहे विदेशी मुद्रा मुद्दों को संबोधित करने में सहायक होगा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू ने कहा कि भारत मालदीव के सामाजिक–आर्थिक और बुनियादी ढांचे के विकास में एक प्रमुख भागीदार है और हमारी जरूरत के समय मालदीव के साथ खड़ा रहा है। मैं मालदीव को दी गई उदार सहायता और सहयोग के लिए पीएम मोदी, सरकार और भारत के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए एक दृष्टिकोण जिसमें विकास सहयोग, व्यापार और आर्थिक साझेदारी, डिजिटल और वित्तीय पहल, ऊर्जा परियोजनाएं, स्वास्थ्य सहयोग के साथ–साथ समुद्री और सुरक्षा सहयोग शामिल है। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि हमने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का निर्णय लिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।